RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 07 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 17 नवम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

मुश्किल अगर आन पड़ी तो घबराने से क्या होगा...। जीने की तरकीब निकालो मर जाने से क्या होगा...।।

ओशो

महाराज बनेंगे सीएम फेस या दबदबा बनाए रखने शिवराज चलेंगे दांव...?

भोपाल।

मध्य प्रदेश में आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का संगठन एक्टिव हो गए हैं। सूत्र अनुसार विधानसभा चुनाव से पहले शिवराज कैबिनेट का विस्तार किया जा सकता है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जातिगत समीकरण और क्षेत्रीय समीकरण के हिसाब से फेरबदल किया जा सकता है। ऐसे में कई पुराने मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है तो कई नए को मौका मिल सकता है।

दरअसल, मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार में मंत्रिमंडल में कुल 31 सदस्य हैं और चार पद रिक्त हैं। सूत्रों की माने तो करीब 6 मंत्रियों की कार्यशैली से भाजपा संगठन और खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खुश नहीं हैं। कारण दिया जा रहा है कि इनके विभाग का काम अच्छा नहीं और जनता के बीच इनका फीडबैक भी नेगिटिव है।

जानकारी अनुसार आने वाली 19 नवंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक हो सकती है। इस बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार से पहले विधायकों को विश्वास में लिया जाएगा। कयास लगाया जा रहा है कि, इस बार विंध्य और महाकौशल क्षेत्र के वरिष्ठ विधायकों को जगह मिल सकती है। जिन मंत्रियों को बदला जाना है, उनमें बड़े नेताओं के समर्थक भी शामिल हैं।

फिलहाल शिवराज कैबिनेट में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक कई विधायक मंत्री हैं। सिंधिया के इन विधायकों में 6 मंत्रियों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला हुआ है तो वहीं 3 राज्यमंत्री हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि, सिंधिया समर्थक मंत्रियों के ऊपर भी गाज गिर सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी समय मे सिंधिया भी मुख्यमंत्री के दावेदार माने जा सकते है। लेकिन अगर इनके समर्थकों पर गाज गिरेगी तो काफी नुकसान देखने को मिल सकता है।

चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए इससे पहले भी भाजपा कोर कमेटी की बैठक भोपाल के भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई थी। लेकिन इस बैठक में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पूर्व ही अचानक निकल गए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार उनके जाने का कारण स्वास्थ्य ठीक नहीं होने को बताया गया था। लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया का बैठक में शामिल न होने पर यह कयास लगाया गया था कि, सिंधिया ग्वालियर जिला अध्यक्ष अभय चौधरी की नियुक्ति से नाराज चल रहे है। और इसी कारण वे बैठक में शामिल नहीं हुए। अब देखना यह होगा कि, आगामी बैठक में उनके समर्थकों को कितनी तवज्जों दी जाएगी।

राजनीतिक गुरुओं की माने तो शिवराज कैबिनेट विस्तार में कई धाकड़ मंत्रियों के छुट्टी हो सकती है। बुंदेलखंड अंचल के दो, मालवा-निमाड़ से एक, ग्वालियर संभाग के एक, मध्य भारत से एक और विंध्य क्षेत्र के एक मंत्री को बाहर किया जा सकता है।

2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा अब स्थानीय और जागिगत समीकरण को साधने की में जुटी हुई है। 2018 के चुनाव में भाजपा का विंध्य में अच्छा वर्चस्व था। और 2023 में यहां फिर से उसी तरह के प्रदर्शन को दोहराने में जुट गई है।

मिशन 2023

चुनाव से पहले दलबदल की सुगबुगाहट हुई तेज...!

भोपाल।

मध्य प्रदेश में आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ का बयान सामने आया था कि उनके संपर्क में भाजपा के कुछ विधायक है, लेकिन वह अपने संगठन के नेताओं को ही टिकट देंगे।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बयान के पर प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस के कुछ विधायक भाजपा के संपर्क में हैं और वह हमारी पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। इस मामले में अब गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी एंट्री हो गई है।

इस मामले में गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि, कमलनाथ जब जब ऐसा बोलते हैं तब तब कांग्रेस टूट जाती है। पहली बार जब कमलनाथ ने दावा किया तो सरकार चली गई थी। उस दौरान उपचुनाव के समय में ऐसा बोला तो पूरी पार्टी बैठ गई और फिर राष्ट्रपति चुनाव में बोला तो पार्टी के 17 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। इसलिए ऐसा माना जा सकता है कि राहुल गांधी और कमलनाथ ने कांग्रेस की सुपारी ली है और उसे निपटा कर ही मानेंगे।

नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि, विधायकों को तोड़ने की शुरुआत कमलनाथ ने ही की थी इसलिए राहुल गांधी और कमलनाथ कांग्रेस पार्टी को खत्म करने के अभियान में लगे हुए हैं। गुजरात में भाजपा की जीत निश्चित थी, लेकिन अब राहुल गांधी के गुजरात चुनाव में प्रचार करते ही भाजपा की दो तिहाई बहुमत से जीत सुनिश्चित हो जाएगी।

इस कड़ी में गृह मंत्री ने कहा कि, कांग्रेस जनजातीय गौरव दिवस पर राजनीति कर रही है जबकि अब तक कांग्रेस जनजातीय वोटों से ही जीती थी। लेकिन कांग्रेस ने राष्ट्रपति का भी विरोध किया था, कांग्रेस किसी काम का समर्थन नहीं करती वह केवल हर बात का विरोध करती है।

मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले कांग्रेस और भाजपा के नेता जिस तरह से बयानबाजी कर रहे हैं उससे प्रदेश के सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या फिर से दलबदल होने वाला है। ऐसा इसलिए भी माना जा सकता है क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में बड़े स्तर पर दलबदल की सियासत हो चुकी है।

विदेशियों सैलानियों में सबसे ज्यादा संख्या अमरीकियों की

नई दिल्ली, एजेंसी।

पिछले वर्ष 15 लाख 24 हजार विदेशियों ने भारत यात्रा की, जिनमें सबसे ज्यादा 4 लाख 29 हजार अमेरिकी नागरिक और 2 लाख 4 हजार बांग्लादेशी नागरिक थे। इस दौरान काफी समय तक कोविड महामारी की वजह से यात्रा और वीजा प्रतिबंध भी लागू थे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि, वर्ष 2021 के दौरान आए कुल विदेशी नागरिकों में से 74.39 प्रतिशत 10 देशों से थे, जबकि 25.61 प्रतिशत दुनिया के बाकी देशों से थे। अधिकारी ने बताया कि, भारत यात्रा करने वाले सबसे अधिक विदेशी नागरिकों में से 4 लाख 29 हजार 860 अमेरिका, 2 लाख 40 हजार 554 बांग्लादेश, एक लाख 64 हजार 143 ब्रिटेन, 80 हजार 437 कनाडा और 52 हजार 554 नेपाल से थे। इनके अलावा 36 हजार 451 नागरिक अफगानिस्तान, 33 हजार 864 आस्ट्रेलिया, 33 हजार 772 जर्मनी, 32 हजार 64 पुर्तगाल और 30 हजार 374 नागरिक फ्रांस के थे।

जेडीएस नेता की बर्बरता से हुई हत्या, भाजपा में शामिल होने की थी तैयारी

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर के पूर्व नेता मल्लिकार्जुन मुथयाल की बर्बरता से हत्या कर दी गई। उनके प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान पाए गए हैं। मुथयाल जल्द ही भाजपा में शामिल होने वाले थे। हत्या के एक दिन पहले ही मुथयाल मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। वह कालाबुर्गी के रहने वाले थे। वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थे।

मुथयाव का शव उनकी दुकान में पाया गया। पुलिस का कहना है कि, शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि लूट के मकसद से हत्या को अंजाम दिया गया है। उनकी दुकान से कैश भी गायब था। हालांकि अभी इस बारे में कुछ भी कन्फर्म नहीं कहा जा सकता है। अभी दूसरे ऐंगल से भी जांच की जाएगी।

मुथयाल के बेटे वेंकटेश ने कहा, कुछ दिन पहले दुकान में चोरी हो गई थी। इसके बाद से मेरे पिता दुकान में ही सोने लगे थे। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने मेरे पिता कि बर्बरता से हत्या कर दी और पैसे लेकर भाग गए। उन्होंने कुछ दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचाया है। मुथयाल कालाबुर्जी जिले में एक समुदाय के अध्यक्ष भी थे। सेदम कोली कब्बालिगा समुदाय कर्नाटक का चौथा सबसे ताकतवर समुदाय है। वोक्कालिगा, लिंगायत और कुरुबा के बाद इसी का नंबर आता है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उनकी एक इलेक्ट्रिक शॉप थी। सोमवार रात वह दुकान में ही सो रहे थे। मंगलवार को उनकी लाश दुकान में मिली। उनके प्राइवेट पार्ट पर चोट भी लगी थी। ऐसा लग रहा था उनपर किसी ने पत्थर से हमला किया है। मुथयाल ने जेडीएस को छोड़ दिया था और भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि वह आजकल भाजपा के सभी कार्यक्रमों में जाते थे।

मरा समझकर जिसे नदी में खोज रही थी पुलिस वो जिंदा मिला

ब्याज खोरी और लेने-देन के काले कारोबार में अब तक बन चुके है कई शिकार, घर छोड़ो, पैसा बचाओ या जान गवाओ

थाना प्रभारी, अधिकारियों से निकले एक कदम आगे, बिना मामले के कर दिया खुलासा

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

बीते 8 से 10 वर्षो में युवाओं के दिलो दिमाग पर जल्दी पैसे कमाने और महँगे शोक पूरे करने के चक्कर मे गलत धंधे के फेर में पड़ गए, जुआ, सट्टा, नशाखोरी सहित कई ऐसे काम जो सामाजिक बुराई है वो अब युवा का स्टेट्स बनता जा रहा है। बढ़ते मोबाइल के उपयोग ओर उस पर तरह-तरह के ऑनलाइन खेल युवाओं को गुमराह कर बर्बाद कर रहे है। जिले में ऐसे कई मामले सामने आए है, खासकर पेटलावद तहसील में जहा इस कारोबार में फंसे युवा कर्ज में डूब कर घर छोड़ कर चले गए या फिर अपनी जान गवा बैठे। परिवारिक व्यस्तता के चक्कर मे घर का युवा बेटा क्या कर रहा है ये किसी को पता नही और सपनों की दुनिया मे ले जाने के लिए मोटी ब्याज दरों पर पैसा देने वाले अपनी किस्मत चमका रहे है।

हुसैन टेकरी जावरा में इस हालत में मिला अशोक प्रजापति।

मीडिया, परिजनों के बीच पुलिस को गुमराह करने वाला थाना प्रभारी के सामने आराम से कुर्सी पर बैठ कर बात करता हुआ।

खुद का मानसिक संतुलन खराब बताने वाला अशोक प्रजापति कैमरे के सामने मीडिया को जानकारी देता हुआ।

चार दिन से गायब अशोक प्रजापति पुलिस को हुसैन टेकरी से मिला

शनिवार से गायब ग्राम मोहनकोट का अशोक प्रजापति पुलिस के लिए अबूझ पहेली बनता जा रहा था। उसके गायब होने के बाद से एक बार फिर अवैध रूप से चल रहे वीसी के कारोबार और ऊंची दरों पर लेने-देन ओर कर्ज की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। रविवार शाम को रतलाम जिले के रावटी थाना क्षेत्र में माही नदी के किनारे अशोक प्रजापति की मोटरसाइकिल, बेग, कपड़े,मोबाइल के साथ एक धमकी भरा लेटर मिला, जिंसमे उसकी हत्या होने तक कि, बात कही गई थी और पैसे के लेन-देन का भी उल्लेख था। अशोक भी न केवल घर से बल्कि लेन-देन करने वाले कुछ लोगो से रतलाम पैसे लेने जाना बता कर घर से निकला था। तब से पुलिस अशोक की खोजबीन में लगी हुई थी और मंगलवार को अशोक हुसैन टेकरी जावरा में देखा गया। जिसकी सूचना मिलने पर रायपुरिया पुलिस मंगलवार रात में हुसैन टेकरी चौकी से अषोक प्रजापति को वापस लेकर लौटी।

दो दिन तक नदी की खोजती रही पुलिस, खुद ही लेटर ओर सामन छोड़ कर हुआ गायब

जिस प्रकार की परिस्थितिया निर्मित हुई पुलिस सहित कई लोगो को लग रहा था कि, लेन-देन के चक्कर या किसी और कारण से अशोक प्रजापति को ठिकाने लगा दिया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अमन जैन भी मौके पर

पहुँचे ओर माही नदी पर गोताखोरो की मदद से दो दिन तक खोजबीन कर परेशान होते रहे। इस दौरान मौके से पुलिस को मिले मोबाईल की काल डिटेल के आधार पर बामनिया, पेटलावद, रायपुरिया, मोहनकोट सहित कई जगहों के लोगो से पूछताछ के लिए थाने बुलाकर उनके बयान लिए भी लिए गए। ज्यादातर लोगों ने लेन-देन के सम्बध में खास कर वीसी में शामिल होने की बात कबूल की। मंगलवार रात मे थाने पर आने के बाद अशोक प्रजापति ने खुद कैमरे के समाने रतलाम उधार के पैसे लेने जाने की बात कबूली साथ ही बेग से बरामद लेटर भी खुद ही लिख कर छोड़ने की बात कबूल की।

अधिकारी करते रहे खुलासे की बाते, रायपुरिया थाना प्रभारी ने बिना पूछताछ निपटा दिया मामला

चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात है ये कहावत जग जाहिर है। पेटलावद थाना क्षेत्र में ऐसे मामले पहले भी समाने आ चुके है और लोगो को हर बार उम्मीद जगती है कि, पर्दे के पीछे चल रहे कई कारोबार बंद होंगे या फिर ब्याज के फेर में फंसे कई युवा इस चंगुल से बहार आएंगे पर ऐसा कुछ नही हुआ।

अशोक प्रजापति के मिलने के बाद जहा पुलिस अधिकारी एसडीओपी सोनु डावर पूछताछ कर खुलासा करने की बात कहती रही, वही दूसरी ओर थाना प्रभारी राजकुमार कुसमारिया ने मामले को केवल गुमशुदगी का बना कर बिना पूछताछ करे न केवल परिजनों को बल्कि मीडिया से भी बात करवाकर खुद भी मीडिया के सामने आ गए। जहा उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही करने की बात तक नही की, साफ है पूरे मामले को रायपुरिया पुलिस द्वारा रफा-दफा कर गुमसुदगी तक सीमित किया गया। पुलिस महकमे की लापरवाही का आलम ये था कि, सोशल मीडिया पर अशोक प्रजापति और थाना प्रभारी के वीडियो आने तक भी एसडीओपी मामले में खुलासे की बात करती रही। पूरे मामले में रायपुरिया पुलिस की भूमिका की जांच होना चाहिये ।

ऊंची दर पर वीसी और ब्याज पर लेन-देन का हुआ मामला उजागर

चार से पांच वर्ष पहले ठेलागाड़ी पर दुकान लगाकर किराए के मकान में रहने वाला अशोक प्रजापति आज तीन मंजिला मकान का मालिक, पूरे मामले में खुद गुमशुदा हुआ न केवल पुलिस को गुमराह करने, स्वयं की हत्या का झूठा षड्यंत्र रचने, शासकीय व्यवस्था का दुरपयोग करवाने का आरोपी बन। बल्कि मोबाइल डिटेल से लेने-देन और अवैध रूप से ऊंची दरो पर वीसी चलाने का गंभीर मामला भी सामने आया था। लेकिन रायपुरिया थाना प्रभारी ने लापरवाही करते हुए सारी चीजें शून्य कर दी, अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि, कोई भी पुलिस को कैसे भी और कही भी न केवल गुमराह कर सकता है बल्कि शासन द्वारा बिना लाइसेंस के अवैध घोषित ब्याज बट्टे का कारोबार भी कर सकता है। ऐसा पहली बार नही हुआ ऐसे बड़े मामले पुलिस के सामने आते रहे है, जो थाने पर ही आपसी समझौते निपट गए।

पूरे घटनाक्रम में अशोक प्रजापति द्वारा कारित कार्य के बाद उससे पेसे देने वाले उसे पैसा देकर भविष्य में उससे दूर रहने की सोचेंगे तो लेने वाले अपना पैसा भूल कर इस मामले में किसी गम्भीर अपराध में बचे समझ कर आगे बढ़ जाएंगे। दूसरी और वर्दी हर गली चोरहे पर दाग दार से और गंदी हो रही है।

जनजाति गौरव दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया

उम्मीद के मुताबिक नही जुटी भीड़, पैसा एक्ट हुआ लागू

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को जनजाति गौरव दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया गया, इस अवसर पर जनजाति विकास मंच के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली से पहले एकत्रीकरण कालेज मैदान पर किया ,एकत्रीकरण के पश्चात सभी जनजाति बन्धु माताएं एवम बहने भव्य जुलूस के रूप में पेटलावद नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ हुआ अपने तय स्थान उदय गार्डन पहूचा जहाँ धर्मसभा होनी थी जहां पधारे हुए सभी जनजाति बन्धु माता बहनों ने धर्म सभा का लाभ किया।

रैली के दौरान नगर पंचायत पेटलावद, जनपद पंचायत पेटलावद एवम भारतीय जनता पार्टी मण्डल पेटलावद, सारंगी और रायपुरिया मण्डल ने जगह जगह पुष्पों से स्वागत किया गया।धर्मसभा स्थल पर एक विशाल मंच बनाया गया था इस मंच पर सभी जनजाति साधु,सन्त,त्यागी, भगत,जनजाति विचारको,जनजाति विकास मंच को जगह दी गई थी मंचासीन अतिथियों का स्वागत सत्कार पगड़ी बांधकर ओर श्रीफल भेंट करके किया गया।जनजातिय विचारकों ने समाजनों के सामने अपने विचार रखे। गौरव दिवस के अवसर पर सभी समाज जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

धर्मसभा स्थल पर नगर पंचायत पेटलावद, जनपद पंचायत पेटलावद,भाजपा मण्डल पेटलावद, सारंगी और रायपुरिया में सभी के लिये स्वल्प आहार की व्यवस्था की गई।

उम्मीद के मुताबिक नही जुट पाई भीड़ भाजपा ,पैसा एक्ट लागू

मध्यप्रदेश में लगातार 47 आदिवासी वोटरों से प्रभावित सीटो को टारगेट कर आदिवासियों को रिझाने का कार्य किया जा रहा है , गौरव दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश में पैसा एक्ट लागू करके सभी जगहो पर भारी भीड़ जमा करने का उद्देश्य था , पूरे आयोजन के लिए सरकार ने बड़ा पैकेज जारी किए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है लेकिन मंगलवार को नगर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा और जनजाति विकास मंच मिल कर मनचाही भीड़ नही जुटा सकी । आयोजन में लगभग पांच हजार लोगों के शामिल होने की बात की जा रही थी कार्यक्रम की योजना भी उसी के अनुरूप तैयार की गई थी लेकिन आयोजन में बमुश्किल एक हजार लोग शामिल ही हुवे।

जनजाति विकास मंच ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

माही की गूंज, मेघनगर।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई यहां पर सभी एक जैसी वेशभूषा में नजर आए मेघनगर के शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा जयंती का कार्यक्रम रखा गया यहां पर वक्ताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की बारे में मैं बताया वही मुख्य वक्ता के रूप में पवन परमार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के बारे में बताया 15 नवंबर 1875 मैं इनका जन्म हुआ और यह बचपन से ही प्रतिभावान बालक थे उन्होंने अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने समाज और देश के लिए अंग्रेजो के खिलाफ शौर्य और पराक्रम दिखाया पवन जी परमार ने यह भी कहा हम सभी सनातनी धर्म के हैं यह बात कह कर उन्होंने बताया यह कार्यक्रम के पश्चात एक भव्य चल समारोह नगर में मुख्य मार्गो से होते हुए भंडारी चौराहा आजाद चौक बस स्टैंड थांदला चौराहा होते हुए पुणे अपने निर्धारित स्थान पर पहुंचा निकाला गया यहां पर पारंपरिक वेशभूषा पहनकर महिलाएं पुरुष इस चल समारोह में एक जैसे नाचते गाते हुए नजर आए और इस चल समारोह का नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया।

नवागत जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत द्वारा चल रहे निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, रायपुरिया।

नवागत जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने ग्राम पंचायत भवन का किया निरीक्षण एव ग्राम पंचायत द्वारा बनाए जा रहे कचरा संग्रहीत करने वाले नाडेप जो अभी पाच पूर्ण हो चुके है ओर पाच का निमार्ण करना है को देखा गया तथा पानी को संग्रहित करने वाले लिचपेट देखा गया घरो से निकलने गंदा पानी जो गटर के माध्यम से बहता है वह एक जगह इकट्ठा हो जाएगा जिससे जमीन का वाटर लेवल बढ़ेगा पम्पावती नाले के पास वाली जगह को सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए उसके बाद उनका काफिला ग्राम पंचायत भवन पर पहुंचा ग्राम पंचायत भवन की बनावट व सुंदरता की तारीफ की साथ में लगे हुए सरपंच कक्ष में सीसीटीवी कैमरे देखे गए जिला पंचायत सीईओ से ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा दो सुलभ शौचालय की मांग की गई जिला सी ओ के साथ जनपद पंचायत पेटलावद के सीईओ राजेंद्र दीक्षित, इंजीनियर पवन कुमार गुप्ता, एसडीओ अलावा, मनरेगा अधिकारी सिंगार ,सरपंच प्रतिनिधि नंदलाल निनामा, ग्राम पंचायत सचिव तोलसिह ,सह सचिव राजेंद्र सालवी व पंच मोहनलाल पाटीदार ,हेमेंद्र सोलंकी एव अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया, महाविद्यालय का भ्रमण कर जानी समस्याएं

माही की गूंज, पेटलावद।

शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद में जनभागीदारी अध्यक्ष विपिन शर्मा द्वारा सोमवार को विधवित पदभार ग्रहण किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य ने नवीन अध्यक्ष के रूप में स्वागत किया। सबसे पहले माँ सरस्वती के चरणों मे माल्यापर्ण किया गया । महाविद्यालय के स्टाफ का परिचय प्राप्त करने के बाद अध्यक्ष और अतिथियो का स्वागत किया गया , इसके पश्चात महाविद्यालय स्टाफ़ की बैठक ली गई जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के भाग विस्तारक रोहित सिंह महाविद्यालय उपाध्यक्ष मुकेश कटारा छात्रा प्रमुख राजकुमारी बिलवाल महाविद्यालय प्राचार्य डामोर जी एवं महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित थे । बैठक के पश्चात पूरे महाविद्यालय का दौरा कर अध्यक्ष और अतिथियो छात्र-छात्राओं की परेशानीया और महाविद्यालय की परेशानियों की जानकारी ली । इस दौरान भाजपा नेता ब्रजभूषण सिंह परिहार, अजय जैन , पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौनु विश्वकर्मा, मोर्चा मण्डल अध्यक्ष राजेंद्र काग, पत्रकार मनोज जानी, मंथन परमार सहित कई कार्यकर्ता और छात्र संघ के पदाधिकारि उपस्थित रहे । स्वागत कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर घनश्याम बैरागी जी द्वारा किया गया।

महिला की लज्जा भंग करने वाले अभियुक्त को 1 वर्ष का कारावास

माही की गूंज, थांदला।

न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी प्रमिला रॉय द्वारा अभियुक्त शानू उर्फ शांति लाल पिता थावरिया भूरिया निवासी बानियापाड़ा तहसील थांदला जिला झाबुआ एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000रु अर्थ दंड से दंडित किया । अभियोजन मीडिया प्रभारी थांदला वर्षा जैन के अनुसार दिनांक 24 नवंबर 2016 को रात्रि 7:30 बजे पीड़िता बीमार होने से बड़वाई के लिए थांदला दरगाह पर झाड़ फूंक करवाने गई थी। वापस अपने घर ग्राम जूनी रंभापूर जा रही थी तो रंभापुर में बनियापाड़ा का शानू मिला तो पीड़िता ने उसे मोटरसाइकिल पर बैठा कर घर पर उतार देने को कहा और मोटरसाइकिल पर बैठकर अभियुक्त के साथ अपने घर जा रही थी । दरगाह के पास में पीड़िता ने अभियुक्त से उतारने के लिए कहा परंतु अभियुक्त शानू ने दरगाह के पास पहुंचने पर भी पीड़िता को मोटरसाइकिल से नहीं उतारा और जबरन जंगल तरफ ले गया। पीड़िता ने तालाब के किनारे उतारने का कहा परंतु अभियुक्त ने तालाब के किनारे भी नहीं उतारा और जंगल ले गया, वहां पर पीड़िता को मोटरसाइकिल से उतार कर बुरी नियत से दोनों हाथों से पकड़ लिया। पीड़िता ने धक्का देकर अभियुक्त शानू से अपने आप को छुड़ाया। चिल्लाने पर उसकी आवाज़ सुनकर गबजी और थावरा आ गए जिन्हे पीड़िता ने घटना के बारे में बताया ।थाना मेघनगर की पुलिस द्वारा पीड़िता की रिपोर्ट पर अभियुक्त के विरुद्ध अपराध क्रमांक 351/16 धारा 354 भादवि की रिपोर्ट दर्ज की गयी। अनुसंधान के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा अभियुक्त को 1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया।

कृषि भूमि पर अवैध कब्जा कर फसल की कर दी बुआई

माही की गूंज, पारा। गजेंद्र चौहान

एसपी साहब, जिले की पुलिस चौकी व थानों के बारे में सोचो व समझो जिन पर आए दिन अक्सर लापरवाही व भ्रष्टाचार का बोलबाला रहता है। कई चौकी व थाने अखबारों की सुर्खियों में बने रहते है। जिले की कई चौकी व थाना प्रभारी कई बार अपनी गलतियों के चलते उनके सिर्फ अटैचमेंट ही हुए हैं किसी पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिले के कई थाने व चौकिया नए आवाम गढ़ते हुए हरकतों से बाज नहीं आते हैं। कोई भी निष्पक्ष व ईमानदारी से काम करने को राजी नहीं। पुलिस की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। फरियादियों के पुलिस चौकी, थाना, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगाते-लगाते चप्पल घिस जाती है, परंतु पुलिसिया कार्रवाई शून्य के बराबर ही दिखाई पड़ती है। जिले के कप्तान पुलिस अधीक्षक का जिले की चौकी थानों पर कठोर नियंत्रण होना चाहिए। नहीं तो चौकी व थानों पर इसी प्रकार लापरवाह व भ्रष्टाचार का बोलबाला रहेगा ही।

12 सितंबर को माना पिता कालिया ने की पुलिस अधीक्षक को की शिकायत।

ट्रैक्टर जिससे बोई अवैध फसल।

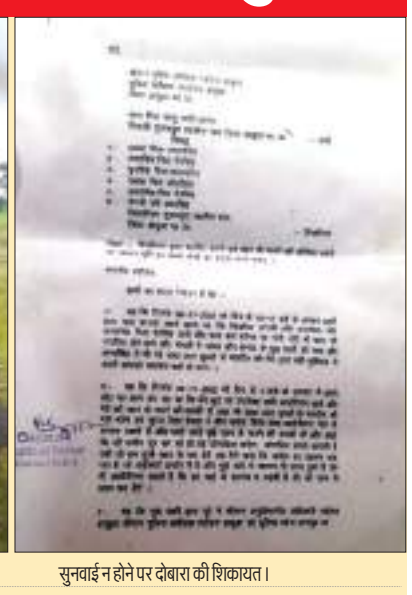

सुनवाई न होने पर दोबारा की शिकायत।

ये है मामला

ताजा मामला राणापुर थाने के अंतर्गत आने वाला ग्राम गुलाबपुरा का है। प्रार्थी माना पिता कालिया डामोर ने माही की गूंज को बताया कि, आरोपियों ने उसकी भूमि पर जबरन कब्जा कर फसल की बोवनी कर दी। मामले को लेकर माना ने राणापुर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। राणापुर थाने पर सुनवाई नहीं की गई, जिसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में यह बताया कि, आरोपी गणों द्वारा हमारी मालिकाना कब्जे की कृषि भूमि पर जबरन ट्रैक्टर से खेडकर ज्वार की फसल बौदी गई। माना के मना करने पर उनके साथ हथियारों से लैस होकर हमला किया गया व मरने-मारने पर उतारू हो गए। उक्त मामले को लेकर माना ने राणापुर थाने पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस द्वारा कोई भी सुनवाई नहीं की जा रही है। वही माना ने जिला पुलिस अधीक्षक से भी गुहार लगाई है। जिसमे मांग की गई कि, आरोपी रमेश पिता जालम सिंह डामोर, तड़वी अमर सिंह डामोर, कैलाश, जोगिया, राकेश निनामा, सज्जन निनामा, नूरी बाई पिता जोगणिया, सविता जोगणिया के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई कर आरोपी को हमारी भूमि से तत्काल हटाया जाए।

आरोपियों ने की मारपीट

माना ने बताया कि, पुलिस अधीक्षक को शिकायत करने के बाद आरोपियों ने 5 नवंबर को मेरे कुए पर दोपहर एक बजे के करीब आकर माना के साथ मारपीट की। आरोपी पुंसिया, जालम सिंह पटेल, राकेश पिता जालम सिंह, सरपंच अमर सिंह, शेर सिंह ने एक-दो दिन में मारने की धमकी भी दी। वही 8 नवंबर को माना व सुरेश दोनों पारा सामान खरीदने आए थे, तब भी आरोपी अमर सिंह पिता देव सिंह व उसकी पत्नी दोनों ने माना के साथ मारपीट की।

खाता खसरा नकल में माना का नाम दर्ज

माना आदिवासी भील जाति का होकर खेती मजदूरी का काम करता है। ग्राम गुलाबपुरा तहसील रामा में स्थित काबिल कास्त भूमि जिसका सर्वे नंबर 19 बटा 4, रकबा 3.108 की भूमि में से रकबा 1.192 की भूमि पर मेरे पिता मंगलिया के द्वारा वर्ष 1973 से आज दिनांक तक काबिज है एवं खसरा में नाम दर्ज भी है। जिसका विविध दंड भी भरते आ रहे हैं। आरोपी रमेश पिता जालम सिंह जो कि गांव का तड़वी है व उनके रिश्तेदारों द्वारा दादागिरी, नेतागिरी कर पैसे के बलबूते पर उक्त भूमि पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। मेरी भूमि पर कमल पिता सपू वसुनिया निवासी ग्राम जोधा ने अपना स्वयं का ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 45 एसी 1423 से खेत में खेडकर ज्वार को दी गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को आज तक ट्रेक्टर को अपने कब्जे में नहीं लिया।

जनसुनवाई में नहीं होती है सुनवाई

प्रार्थी माना ने राणापुर थाने पर आवेदन दिया लेकिन थाने से कोई कार्रवाई नहीं की गई। माना का आरोप है कि, राणापुर पुलिस गाँधीछाप लेकर अपना मामला जमा लेती है ओर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। राणापुर थाने पर सुनवाई ना होने पर माना ने 12 सितंबर को पुलिस अधीक्षक झाबुआ को शिकायत दर्ज करवाई। उसके बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सुनवाई न होने पर माना ने 13 सितंबर को जनसुनवाई में आवेदन दिया। जिसकी रसीद क्रमांक 52372 है। जनसुनवाई में आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नही की गई। माना ने फिर दोबारा 11 अक्टूबर को जनसुनवाई में फिर आवेदन दिया। जिसकी रसीद क्रमांक 5249 है।

माना का कहना है कि, अगर कार्रवाई नहीं की गई तो अब मुख्यमंत्री 181 पर शिकायत कर दी जाएगी।

महाविद्यालय में स्वयं से मिलन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

शासकीय महाविद्यालय थांदला में आज राज्य आनंद संस्थान एवं स्वामी विवेकानंद के संयुक्त तत्वाधान में स्वयं से मिलन विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया स जिसमे सर्वप्रथम सभी अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया मुख्य वक्ता श्री जगदीश सिसोदिया (जिला साक्षरता प्रभारी) दवरा स्वयं की क्षमता का आंकलन एवं प्रतिदिन खुद को कैसे प्रेरित करे विषय पर प्रकाश डाला उन्होंने अकड़ क्या है पर रोचक प्रसंग भी सुनाया ।

कार्यक्रम में अन्य वक्ता श्री अनिल शर्मा, बलवीरसिंह डामोर, टी आई थांदला श्रीमती कौशल्या चौहान, यातायात प्रभारी कमलसिंह मिंदल ने वक्तव्य रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ जी सी मेहता द्वारा स्वयं आनंदित रहे एवं दुसरो को भी आनंदित रहे ऐसे सुविचार विद्यार्थियों को दिए

कार्यक्रम का संचालन डॉ छगन वसुनिया एवं आभार प्रो मनोहर सोलंकी ने माना कार्यक्रम में महाविद्यालीन विद्यार्थी तथा डॉ पीटर डोडियार, प्रो.मावी , प्रो हिमांशु मालवीया, एवं समस्त स्टाफ के सदश्य उपस्थित रहे ।

आई माता का लिया आर्शीवाद, सकल सिर्वी समाज को दिया निमंत्रण

माही की गूंज, पेटलावद।

श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्राम गुरूद्वारा पर आयोजित होने वाली भागवत कथा को लेकर निमंत्रण का दौर प्रारंभ हो चुका है। इस क्रम में मंगलवार को गुरूद्वारा समिति के सदस्यों ने आई माता मंदिर पर पहुंच कर आई माता को निमंत्रण देकर सकल सिर्वी समाज को निमंत्रण दिया। इस मौके पर आश्रम प्रभारी अरविंद गोपाल भट्ट ने सम्बोधित करते हुए, कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा रखी। वहीं जीवन भट्ट के द्वारा कलश यात्रा व अन्य कार्यक्रम में बढ-चढ कर सहयोग की अपील की।

भागवत कथा के प्रथम दिन 28 नवम्बर को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं प्रतिदिन सुबह साढे 9 से 12 बजे तक व डेढ़ से साढे 4 बजे तक कथा का आयोजन होगा। प्रतिदिन सुबह हवन भी चलेगा। इसके साथ ही रात्रि में गरबा रास का आयोजन भी रखा गया है।

वहीं सकल सिर्वी समाज की ओर से समाज के अध्यक्ष बाबूलाल काग, मुकेश पडियार, मुकेश परमार, मोहन सोलंकी, कोमल पडियार, बाबूलाल परमार, आयदान परमार सहित अन्य समाजजनों ने कार्यक्रम को सफल बनाने और समाज की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं बाबूलाल काग ने निः शुल्क पेयजल व्यवस्था की घोषणा की। गुरूद्वारा समिति की ओर से मुकुट चौहान, मनोज जानी, मनीष सोनी, महेश सोनी, धर्मेंद्र द्वीवेदी, सचिन धुरिया, वीरेंद्र भट्ट व हेमांगराज भट्ट उपस्थित थे।

साधु संतो के लिए स्वागत व विदाई दोनों समान

माही की गूंज, पेटलावद।

स्वागत और विदाई मे गृहस्थो मे अंतर आ जाता है। साधु-संतो के लिए स्वागत व विदाई दोनों समान होती है। उक्त आशय के उदगार श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के 11वे अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वीश्री मधुबालाजी की सहयोगी साध्वीश्री विज्ञानंश्री जी ने तेरापंथी सभा द्वारा आयोजित मंगलभावना समारोह मे तेरापंथ भवन मे उपस्थित श्रावक श्रविकाओं के समक्ष व्यक्त किये। गुरु वचनो व उनके इंगित (संकेत)की आराधना करने मे तत्पर रहना चाहिए, श्रावक समाज की एकरूपता व संगठन मजबूत होना चाहिए। हमने इस करीब साढ़े पांच माह के पेटलावद प्रवास मे बहुत कुछ पाया और बहुत कुछ देने का प्रयास भी किया। साध्वी सौभाग्यश्री जी ने कहा कि, यहां धर्म ध्यान की प्रबल भावना है, आप लोग गुरूभक्ति व धर्मसाधना के क्षेत्र मे आगे बढ़े। साध्वी श्री मंजूलयाशाजी ने गीत के द्वारा अपने आंतरिक भावो को अभिव्यक्ति दी।

विशेष सेवा देने वाले हुए सम्मनित

इस वर्ष शासनश्री साध्वीश्री मधुबालाजी की लगभग साढ़े पांच माह तक निःस्वार्थ भाव से उल्लेखनीय सेवा प्रदान करने वाली फिजियोथेरेपिस्ट सुश्री माधुरी भाटी (रायपुरिया) को तेरापंथी सभा द्वारा मोमेंटो व उपहार भेट क़र सम्मानित किया गया। चतुर्मास मे विशेष सहयोग प्रदाता श्री पारसमल शांतिलाल गादिया को भी मोमेंटो भेट क़र सम्मानित किया गया। इस मंगलभावना समारोह मे तेरापंथी सभा अध्यक्ष मनोज गादिया, ज्ञानशाला बच्चे, महिला मंडल, कन्यामंडल, अक्षत भंडारी, भव्या निमजा, निराली गादिया, महिला मंडल अध्यक्ष अनिता मूणत, नम्रता वोरा, सारिका मूणत, फिजियोथेरेपिस्ट माधुरी भाटी, किशोर, मंडल संयोजक रचित गादिया, ऐनी पटवा, अणुव्रत समिती, अध्यक्ष सचिन मूणत, ज्ञानशाला मुख्य प्रशिक्षिका रेखा पालरेचा, फूलचंद कांसवा, अभय पीपाडा ने गीत, भाषण आदि रूपों मे अपनी भावनाओं को प्रस्तुति देते हुए चतुर्मासकाल की भूलो के लिए क्षमा मांगते हुए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए साध्वी वृंद के विहार के लिए मंगलभावनाएँ व्यक्त की। कार्यक्रम संचालन तेरापंथी सभा के मंत्री राजेश वोरा ने किया। साथ ही प्रातःकालीन विहार रायपुरिया रोड पर सुधीर भंडारी के निवास पर हुआ, जहाँ विहार के दौरान श्री वर्धमान स्थाकवासी समाज के पूज्य साध्वी पुण्यशीलाजी आदि साध्वीयो के साथ साध्वीवृंद का आध्यात्मिक मिलन हुआ।

साथ ही झाबुआ प्रवास सम्पन्न क़र लौटे आचार्यश्री महाश्रमण की सुशिष्या समणी निर्वाणप्रज्ञा जी आदि समणी-2 ने साध्वी वृंद के दर्शन व उपासना की। पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमण जी के निर्देश से साध्वी मधुबालाजी आदि ठाणा 5 सूरत की ओर विहार क़र रहे है।

बालू रेत डम्पर को खनिज विभाग ने किया जप्त, खवासा चौकी पर खड़ा करवाया डम्पर

माही की गूंज, खवासा/भामल

क्षेत्र में आए दिन अवैध तरीके से बिना रायल्टी कटाए अवैध तरीके से रेत का परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार देख कर भी अनजान बनते हैं। वही अपनी खानापुर्ति के लिए छुट-पुट कार्यवाही कर अपनी वाह-वाही लुटते है। खवासा क्षेत्र में लंबे समय से बालू रेत के डंपर काफी मात्रा में पहुंचते हैं। शुक्रवार-शनिवार की रात्रि में खनिज विभाग में पदस्थ अलीशा रावत मैडम ने खवासा क्षेत्र में अवैध तरीके से जा रही, बालू रेत का डंफर क्रमांक जीजे 20 वी 9037 को पकडकर खवासा चौकी पर जप्त करके खड़ा करवाया व पंचनामा बनाकर जिले की ओर रवाना हो गए। लेकिन स्थानीय मीडिया को जानकारी तक नहीं दि गईं। 3 से 4 दिन हो गए कोई भी सूचना सार्वजनिक नहीं की गई जैसे ही यह जानकारी स्थानीय पत्रकार को लगी तो स्थानीय पत्रकार ने खवासा चौकी प्रभारी से जानकारी लेना चाही तो चौकी पर पदस्थ सहायक उप निरीक्षक चतरसिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि, यह तो कार्रवाई खनिज विभाग ने करी है इसकी जानकारी तो आपको मैडम ही दे पायंगे। हमारे यहां तो जप्त में टैंकर खड़ा करवाया गया है। इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी गई। डंपर खवासा चौकी पर अभी भी खड़ा है क्या कार्रवाई की गई इसकी जानकारी अभी तक सार्वजनिक भी नहीं हो पाई है। वही मामले में जब खनिज विभाग में पदस्थ मैडम अलीशा रावत से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, खवासा क्षेत्र में अवैध तरीके से परिवहन हो रहे रेत के डंपर को पकड़कर चौकी पर खड़ा करवाया है और इसका प्रकरण बनाकर एडीएम कार्यालय में हमने भेज दिया है जो भी कार्रवाई होगी वही से होगी। मामले को लेकर खवासा चौकी प्रभारी जगन्नाथ कनाश से चर्चा की तो बताया, इसकी जानकारी तो मेरे पास भी नहीं है यहां तो सिर्फ चौकी पर सुरक्षा की दृष्टि से डम्पर खड़ा किया गया है ।

एक परिवार और एक कार्यकर्ता को तीन-तीन पद दिए जाने से विधायक मैड़ा के खिलाफ सोशल मीडिया पर टिका टिप्पणी

विधानसभा 2023 के चुनाव में खुद की नींव को कमजोर कर रहे है विधायक

माही की गूंज, पेटलावद।

पंचायत चुनाव के बाद, नगर परिषद में मुह की खाने के बाद पेटलावद विधानसभा के विधायक खुद के कार्यकर्ताओं के बीच ही उलझते जा रहे है। लगातार गिरती साख को बचाने की जगह उनके निर्णय, उन्ही के खिलाफ टिका टिप्पणी का विषय बन रहे है और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा विधायक के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है। विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियां शुरू हो चुकी है, राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से टिकिट के दावेदारों की खोज भी शुरू कर चुकी है, ऐसे में कार्यकर्ताओं की पूछ परख बढ़ रही है दूसरी और राहुल गांधी पूरे देश मे भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर कार्यकर्ताओ को जोड़ने की कोशिश कर रही है। वही परिवारवाद से घिरी रहने वाली कांग्रेस पर गांधी परिवार तो जिले में भूरिया परिवार और अब विधानसभा के पेटलावद क्षेत्र में मुथा परिवार को लेकर परिवारवाद में घिरती नजर आ रही है, जिसका कारण खुद विधायक मैडा बनते जा रहे है ।

नगर परिषद में आशीष मुथा को विधायक प्रतिनिधि बनाये जाने से नाराज़ कार्यकर्ता

विगत दिनों पूर्व नगर परिषद विधायक प्रतिनिधि जीवन ठाकुर के स्थान पर कांग्रेस के युवा नेता आशीष मुथा को नगर परिषद पेटलावद में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। जिसकी जानकारी मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। नाराजगी का कार्यकर्ता पद मिलना नही बल्कि पहले से दो पदों पर बैठे आशीष मुथा को तीसरा पद दिए जाने से नाराज़ हो गए। ज्ञात है कि, आशीष मुथा महाविद्यालय पेटलावद में विधायक प्रतिनिधि के साथ-साथ पेटलावद विकास खण्ड के यूथ कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष है, इसके बाद भी विधायक मैडा ने नगर परिषद में भी आशीष मुथा को नगर परिषद में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त कर दिया जिसके बाद कार्यकर्ताओ का विरोध शुरू हो गया।

परिवारवाद का लगा रहा आरोप

पंचायत चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओ की अनदेखी कर खुद के पुत्र को जिला पंचायत को चुनाव लड़वा कर परिवारवाद के आरोपो से घिर चुके है। यहां मुथा परिवार को लागतार पद दिए जाने और दूसरे जमीनी कार्यकर्ताओ की अनदेखी करने से कांग्रेस में युवा नेताओ में रोष है। कांग्रेस कार्यकर्ता गोलू हामड ने बताया कि, इस प्रकार की मनमानी ओर एक ही परिवार को पद के साथ-साथ एक ही व्यक्ति को तीन-तीन पद दिये जाने से नाराजगी है। आने वाले चुनावों में इस प्रकार की कार्यकर्ताओ की अनदेखी भारी पड़ सकती है। पूर्व में भी कई कार्यकर्ता पार्टी छोड़ चुके है और यही हालत रहे तो ओर भी लोग पार्टी छोड़ देंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता विक्रम चावड़ा ने बताया कि, सोशल मीडिया पर पोस्ट कर विरोध जताया है, अगर कांग्रेस को लगता है कि, ऐसे ही आगे बढ चुनाव में उतर कर जीत हासिल कर सकती है तो अच्छी बात है, यहां पार्टी गलत कदम उठाएगी विरोध होगा।

फ्लॉप होता नजर आ रहा जल जीवन मिशन

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

केंद्र सरकार द्वारा थांदला विकासखंड में जल जीवन मिशन वर्ष 2021 में चलाया गया। जिसके अंतर्गत स्वीकृत नल-जल योजना में करोड़ों की राशि का भूमि पूजन किया गया।, लेकिन आज तक धरातल पर यह योजना पूरी तरह से फ्लॉप होती नजर आ रही है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम काकनवानी में भी थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2021 को भूमि पूजन किया गया। लेकिन राजनीति के चलते वही भूमि पूजन दुबारा रतलाम-झाबुआ सांसद गुमानसिंह डामोर द्वारा दिनांक 19 फरवरी 2021 को शाम 7 बजे इंजीनियर एवं अधिकारी अमले के साथ थांदला नपा अध्यक्ष बंटी डामोर, पूर्व जिला अध्यक्ष ओम शर्मा, पूर्व जनपद अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि दिलीप सिंह कटारा ने ग्रामवासियों के समक्ष जल जीवन मिशन अंतर्गत 15 लाख रुपए के कार्यों का भूमि पूजन किया गया। जिस पर सांसद गुमान सिंह ने कहा था कि, काकनवानी में लंबे समय से नल-जल योजना की मांग हो रही थी, जिसे हम आज पूरी कर रहे हैं और यह नल-जल हर गांव हर फलिए और हर मकान तक पहुंचेगा। जल जीवन मिशन का यह कार्य बहुत ही तेजी से चलाया जाएगा एवं आप लोगों को सारी सुविधाएं दी जाएगी।

आज तक नहीं मिला, नल-जल योजना का लाभ

केंद्र सरकार चाहे जितनी भी योजना निकालें, लेकिन धरातल पर आकर शुन्य हो ही जाती हैं। नल-जल मिशन के अंतर्गत दो बार भूमि पूजन हुआ, जिसे करीब 2 वर्ष होने को आए, लेकिन आज तक नल-जल का कोई ठिकाना नहीं है। पीएचई विभाग ने उक्त कार्यों को किसी ठेकेदार को दे रखा है और ठेकेदार को इस कार्य को करने में आज 21 माह पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक नल-जल की पाइप लाइन का भी कार्य पूरा नहीं हुआ। ठेकेदार को अभी यही नहीं पता है कि, पाइपलाइन कितनी और कहां-कहां डालना है। कई फलियों में पाइप-लाइन अभी भी नहीं पहुंची एवं पानी के लिए एक तालाब में कुप खोदा गया, जिसमें एक बूंद भी पानी नहीं मिला। वर्षों पुराना कुप जो की काकनवानी से करीब 15 किलोमीटर दूरी पर ग्राम जोहा से पहले नल-जल योजना चल रही थी, उसी कुप से पाइप लाइन जोड़कर काकनवानी तक लाया गया। जिसे पीएचई विभाग द्वारा पूर्व में ही पानी की टंकी बनी हुई है, जिस से जोड़ा गया उसके बावजूद भी आज तक नल-जल योजना सुचारू रूप से शुरू नहीं हो पाई।

पंच-सरपंच के विरूद्ध फूट रहा लोगों का आक्रोश

पंचायत चुनाव में ग्राम वासियों से किए गए वादे जिसमें बिजली, सफाई एवं सुचारू रूप से पेयजल देने का वादा किया गया था। जिस पर बिजली एवं सफाई तो चल रही है लेकिन मूलभूत सुविधा जिस पर संकट गहराया हुआ है। जो आज तक हल नहीं हो पा रहा है, पेयजल को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश वार्ड पंच एवं सरपंच के प्रति फूट रहा है। वार्ड पंच एवं सरपंच लोगों को समझाइश दे रहे हैं कि, नल-जल योजना पीएचई विभाग ने ठेकेदार को दे रखा है और यह नल-जल योजना का काम ठेकेदार द्वारा जैसे ही पूरा किया जाता है। उसके बाद ही पंचायत के हैंडओवर में आएगा तब ही सुचारू रूप से नल-जल योजना शुरू हो पाएगी।

मन्दिर के आसपास गंदगी का आलम, कलेक्टर के अधीन होने के बाद भी नही ली जा रही सूध

माही की गूंज, करवड़। अरूण पाटीदार

मंदिरों के आसपास बेधड़क बेपरवाह गंदगी पसरी हुई पड़ी रहती है जिसमें यहां के सभी श्याम प्रेमी जनता व महाकाल प्रेमी जनता कितने ही धर्म के नाम पर जो अपनी वाहवाही लूटते हैं। लेकिन यहां की सुध लेने को कोई नही है। अति प्राचीन जगमोहन मंदिर के आसपास में गंदगी फेली हुई है जो पास के ही लोगो के द्वारा फैलाई जाती है। जिस पर ग्राम पंचायत को भी कई बार अवगत कराया गया लेकिन फिर भी इस और कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसा ही गांव के तमाम मंदिरों के आसपास गंदगी व नालियों की असफाई के कारण बहुत सारी गंदगी पसरी हुई है । उक्त मन्दिर कलेक्टर के अधिक बताया जा रहा है और जर्जर स्थिति में भी है। ऐसे में यहां किसी बड़ी योजना के साथ मन्दिर के जीर्णोद्धार की आवश्यकता है जिस और हिंदू संगठनों को ध्यान देना चाहिए ताकि हिन्दू संस्कृति की विरासत को सुरक्षित रखा जा सके। साथ ही मन्दिर के आसपास स्वच्छता अभियान चला कर मन्दिर को गंदगी से मुक्त किया जाना चाहियें।

जब इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत सचिव से प्रश्न किया गया तो, उनका कहना हे मुझे इस बारे मे कोई जानकारी नही है अगर ऐसा हे तो मामले को संज्ञान मे लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मेघनगर-मदरानी मार्ग का समय रहते चौड़ीकरण नहीं किया तो होगा उग्र आंदोलन

माही की गूंज, मेघनगर। भुपेन्द्र जैंन

थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया ने मेघनगर-मदरानी-माडण्ली मार्ग को लेकर प्रेस वार्ता की गई। मेघनगर-माण्डली-मदरानी मार्ग सिंगल पट्टी होने की वजह से इस मार्ग पर आये दिन हो रहे हादसों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि, जल्द से जल्द मेघनगर-माण्डली-मदरानी मार्ग को चौड़ीकरण करवाने की मांग प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान से लिखित में की है। विधायक वीरसिंह भूरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि, थांदला विधानसभा के अंतर्गत आने वाली मेघनगर-मदरानी मार्ग सिंगल पट्टी मार्ग है साथ ही साइड भी भरी हुई नही है जिसकी वजह से आये दिन हादसे होते रहते है। अभी कुछ दिन पूर्व ही 4 लोगो की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उसके पहले नायक समाज के युवक की मौत हो गई थी ओर उसके पहले एक अन्य महिला की भी मौत सड़क हादसों में हुई थी। यहा अधिकांश दुर्घटना सिंगल पट्टी रोड होने की वजह से हुई है। विधायक ने कहा कि, कई बार क्षेत्र की जनता के साथ मेने लगातार इस मार्ग को चौड़ीकरण करने के लिए आवाज़ उठाई थी। मगर नतीजा कुछ नही निकला पूर्व मेने इस मार्ग को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री, प्रबन्ध संचालक सड़क प्राधिकरण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम सड़क निर्माण, महाप्रबंधक प्रधानमंत्री सड़क निर्माण झाबुआ को भी कई बार अवगत करवाया, मगर नतीजा कुछ नही निकला। आज पुनः मैं जिलाधिकारी को इस मार्ग को लेकर अवगत करवा रहा हु कि, जब तक इस मार्ग का निर्माण की कोई कार्रवाई नही की जाती है जब तक दोनों खदानों से एस.आर.फेरो, अलॉय काजलीडूंगरी दि रॉक फास्फेट की खदान केल कुआ से लोडिंग वाहनों की आवाजाही बन्द की जाए। साथ ही इस रोड के चौड़ीकरण के सम्बंध में भोपाल बात करे व हमे अवगत करवाये अन्यथा क्षेत्र की जनता के साथ चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। वही विधायक वीरसिंह भूरिया से पत्रकारों से पूछे गए सवालों पर ओवरलोडिंग वाहनों को लेकर भी चिंता व्यक्त की तथा आरटीओ व जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न करने कि बात को लेकर भी जमकर निशाना साधा ओर सड़क निर्माण की मांग की आवाज़ को विधानसभा में उठाने की बात कही ।

निःशुल्क साइकिल वितरण

माही की गूंज, सारंगी। बालक हाई स्कूल एवं शासकीय कन्या हाई स्कूल सारंगी में शासन द्वारा पहुचाये गई निः शुल्क साइकिल का वितरण किया गया का सभी अतिथी गण का प्रचार्य द्धारा पुष्प माल पहना कर स्वागत किया गया जिसमें सभी ने प्रचार्य का आभार माना जिसमें मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष रमेश सोलंकी, मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, जनपद सदस्य रजनीश पाटीदार, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गहलोत ग्राम पंचायत सरपंच फूंन्दी बाई मैडा, पंच परमानंद पाटीदार , पंच अनिल बंबोरी प्रचार्य दिलीप मेहता,निर्मल सघवी ,कसारबर्डी प्राचार्य पप्पू लाल गामड़ एवं स्कूल का समस्त स्टाफ आदि की उपस्थिति छात्राओं को निशुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल वितरित की गई कार्यक्रम का संचालन शिक्षक निर्मल संघवी द्वारा किया गया एवं आभार श्री लीलाशंकर पाटीदार द्वारा माना गया।

बस स्टैंड पर युवक की मौत, प्रशासन का ढोंग

स्थितियां कुछ दिनों बाद फिर हो जाएंगी ढाक के तीन पात

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

गत सप्ताह बस के नीचे कुचलकर एक युवक ने जिला मुख्यालय के व्यस्ततम बस स्टेण्ड पर दम तोड़ दिया। घटना जिले में आग की तरह फैली तो प्रशासन भी मामला ठंडा कर कार्रवाई का ढोंग करने निकल पड़ा। प्रशासन दुर्घटना के पश्चात खिसियानी बिल्ली की तर्ज पर बजाए बस स्टैण्ड की व्यवस्था सुधारने के अतिक्रमण के नाम पर जेल चौराहे से मेघनगर नाके तक की गुमटियों पर अपना रोब दिखाने लगा। पुलिस दल, नगर पालिका अमले को देख एकाएक गुमटी लगाकर व्यवसाय कर रहे व्यापारी घबरा गए किंतु इतना भारी अमला देखकर किसी ने भी विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटाई। अंततः जनप्रतिनिधियों ने मध्यस्थता कर गरीब गुमटीधारियों का पक्ष रखा। जनप्रतिनिधियों के अनुसार समस्त गुमटियां फुटपाथ पर पीछे की ओर लगी हुई, यदि आवाजाही में कोई परेशानी आती है तो इन्हे पीछे हटाने की हिदायत दी जाए। गुमटीयां तोड़ देने से गरीबों का रोजगार छीन जाएगा। जनप्रतिनिधियों के विरोध पश्चात अमला बस स्टेण्ड पहुंचा, जहां से आवागामन में बाधक बनने वाली ठेलागाडिय़ों और अन्य दुकानदारों को व्यवस्थित कराया। अमले ने रिक्शास्टेण्ड हटाकर चिकित्सकों के शासकीय आवासों के खाली पड़े परिसर में भी शिफ्ट कर दिया। मगर रिक्शा चालकों को यह मंजूर नहीं था। प्रशासन के बेरूखे रवैये को देखते हुए ऑटो चालकों ने सांसद गुमानसिंह डामोर के सामने अपनी समस्या रखी और शहर के पांच स्थानों पर रिक्शा स्टेंड की मांग कर डाली। इसी के साथ प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठना शुरू हो गए है। क्योंकि दुर्घटना के बाद प्रशासन जिस तरह की व्यवस्था कर रहा है वह ज्यादा समय टीकने वाली दिखाई नही दे रही है। हो सकता है कुछ दिनों बाद स्थिति ÷ढाक के तीन पात÷ होकर रह जाए।

सवारियों का लालच लील गया जान

बतादे कि, बस स्टैण्ड शहर के मध्य होने से व्यस्तताओं से भरा हुआ है। बसें जिस रास्ते से बस स्टेण्ड में प्रवेश करती है उस रास्ते पर कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। बस चालक-परिचालक सवारियों की लालच में हाय-तौबा मचाते हुए बस स्टैण्ड में प्रवेश करते है। इसके अलावा समान रूट की आगे वाली बस को निकालने की भी जल्दबाजी पीछे चलने वाली बस के चालक व परिचालको को रहती है। यही कारण है कि अंधगति से दौड़ती हुई बस ने युवक की जान लील ली। घटना के पश्चात बस का स्टेयरिंग व ब्रेक फेल जैसी अफवाहे भी उड़ाई गई।

पहले की हुई व्यवस्था समय के साथ समाप्त हुई

पूर्व में बस, ऑटो, अवैध जीप संचालकों के मध्य आए दिन होने वाले विवाद से परेशान होकर तत्कालीन अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पाटीदार ने बस स्टैण्ड की व्यवस्था संभालना प्रारंभ की थी। अलसुबह से लेकर देर शाम तक पाटीदार बस स्टैण्ड की न सिर्फ व्यवस्था देखते अपितु कुछ समय रूककर बस चालको, दुकानदारों और रिक्शा चालकों को भी आवश्यक निर्देश देते थे। अवैध जीपे तत्समय बस स्टैण्ड से गायब ही हो गई थी। नगर पालिका ने भी बसों के व्यवस्थित खड़े रहने हेतु अपनी व्यवस्था की थी तो यातायात पुलिस ने अपना एक जवान तैनात कर व्यवस्थाओं को सुचारू की थी। किंतु समय के साथ सारी व्यवस्था धूमिल हो गई और नतीजा हादसों के रूप में सामने आने लगा।

रिक्शा चालक पहुंचे सांसद निवास

प्रशासन द्वारा ऑटो स्टेण्ड नई जगह स्थानांतरित करने से रिक्शाचालको में रोष था। गत दिनों रिक्शा चालक भी पूराने स्टेण्ड पर ऑटो खड़ा करने की मांग को लेकर रैली के रूप में सांसद निवास पहुंचे तथा प्रशासन द्वारा परेशान किये जाने की शिकायत सांसद से की। सांसद ने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

ऑटो चालकों के अनुसार बस स्टेंड पर होने वाली अव्यवस्था बसों के कारण होती है, ऑटो के कारण नहीं। यातायात अमला नदारद रहता है तो अव्यवस्थाएं और बढ़ जाती है। बसों से होने वाली दुर्घटनाओं का दंश ऑटो चालकों को क्यों भुगतना पड़ रहा है। अधिकांश ऑटो चालकों की गाड़ी फायनेंस पर है अगर धंधे पर असर पड़ता है तो कई ऑटो चालकों के परिवार को भूखे मरने की नौबत आ जाएगी।

हादसे के बाद नहीं पहुंची आरटीओ

जिला मुख्यालय के बस स्टेंड पर हुई दुर्घटना के बावजूद आरटीओ मेडम बसों की व्यवस्था देखने बस स्टेंड नहीं पहुंची। जबकि बसों के संचालन का सारा लेखा-जोखा आरटीओ विभाग के जिम्मे ही होता है। आरटीओ के बगैर बसों के संचालन को दुरूस्त कर पाना लगभग नामुमकिन है। मगर हादसे के बाद आरटीओ द्वारा बसों की किसी तरह की कोई चेंकिग या कार्रवाई अभियान नहीं चलाया गया। जिला मुख्यालय के यातायात अमले के पास जिला मुख्यालय पर आने-जाने वाली बसों की जानकारी तक उपलब्ध नही है। इस स्थिति में जिला प्रशासन इस व्यवस्था को किस तरह ठीक करेगा यह एक यक्ष प्रश्न है। इसके अलावा नगर की व्यवस्थाओं को देखने के लिए जिस तरह पूर्व में तत्कालीन एसडीएम शहर का दौरा या गश्त किया करते थे वह व्यवस्था अब खत्म सी हो चुकी है। अब कोई अनुविभागीय अधिकारी इस तरह शहर में दिखाई नही देते, जिससे व्यवस्थाओं को काबू में रखा जा सके। बस स्टेंड से होकर चलने वाली बसों के हालात देखने की किसी को फुरसत नही है। कई कंडम बसें बेधड़क यात्रियों की जान जोखिम में डालकर चल रही है। बसों में किराया सूची तक मौजूद नही है। चालक-परिचालक ड्रेस कोड में नजर ही नहीं आते। मगर आरटीओ और बस संचालकों के बीच सामंजस्य इतना कि ''अजगर करे ना चाकरी पंछी करे ना काम, दास मलूका कह गए सब के दाता राम''।

बस स्टैण्ड स्थान परिवर्तन ठंडे बस्ते में

लंबे समय से बस स्टेण्ड पर जगहों के अभाव की समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों, आमजन व प्रशासन से जुड़ी विभिन्न समितियों ने तंत्र को अवगत कराया। जिस पर पिछले कुछ वर्षों से बस स्टैण्ड के स्थान परिवर्तन की सुगबुगाहट भी होने लगी। नवीन बस स्टेण्ड किशनपुरी में स्थानांतरित की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी थी। राजस्व अमला नपती आदि भी कर चुका था किंतु छोटी-मोटी समस्या के मध्य नवीन बस स्टेण्ड की सौगात जिला मुख्यालय को नहीं मिल पाई।

सुत्रों के अनुसार सभी समस्याओं का समाधान प्रशासन कर चुका था किंतु पूर्व कलेक्टर ने नवीन बस स्टेण्ड के लिये चिन्हित भूमि पर नवीन डाक बंगला निर्माण का प्रस्ताव शासन स्तर पर भेज दिया। अब गेंद भोपालियो के पाले में है। नवीन बस स्टेण्ड के लिये चिन्हित जगह पर डाक बंगला निर्माण के प्रस्ताव को जैसे ही भोपाल से हरी झंडी मिलती है, निर्माण कार्य के टेंडर प्रक्रिया एवं कार्य प्रारंभ भी हो जाएगा। बस स्टेण्ड से जुड़े लोगों के अनुसार बस स्टेण्ड पर पूर्व की अपेक्षा कई गुना ज्यादा यातायात का दबाव बढ़ चुका है। पहले बसों की संख्या काफी कम थी किंतु वर्तमान में औसतन हर 2-5 मिनट के अंतराल पर बसे आती है। शाम के समय बसों की संख्या कम जरूर हो जाती है किंतु अलसुबह से बसों की आवाजाही प्रारंभ हो जाती है। बस स्टैण्ड पर छोटे व्यवासईयों के साथ ही ऑटो रिक्सा चालकों की संख्या में बढ़ोतरी हो चुकी है और आने वाले समय में यह संख्या और अधिक बढ़ेगी। बस स्टेण्ड झाबुआ के मध्य में आ चुका है तथा बसों के आने व जाने वाले रास्तो पर व्यवसाय भी बढ़ा है। चिकित्सालय होने के साथ ही वर्तमान में यह रास्ता भीड़-भाड़ से भरा हुआ रहता है तो कई बार जाम और विवाद की स्थिति भी बन जाती है। बस स्टैण्ड का स्थान परिवर्तन आमजन के हीत में था। किंतु पूर्व अधिकारियों ने जिला मुख्यालय से उक्त नवीन बस स्टैण्ड की सोगात छीनने का प्रयास कर दिया है। इस ओर जनप्रतिनिधियों व सत्ताधारी दल के नेताओं को पहल कर झाबुआ शहर को विकसित, विस्तारित करने का प्रयास करना चाहिये।

संपादकीय

धर्मांतरण की चुनौती से निपटने के लिए वंचितों का सम्मान जरूरी

जब देश की शीर्ष अदालत जबरन धर्मांतरण को चुनौतीपूर्ण मुद्दा मानकर केंद्र सरकार से कदम उठाने को कहती है तो विषय की गंभीरता का अहसास होता है। अदालत का मानना है कि, देश में धार्मिक आजादी है लेकिन इसका मतलब जबरन धर्मांतरण की आजादी होना कदापि नहीं है। इस तरह की कोशिशें जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती हैं, वहीं नागरिकों की धर्म और अंत:करण की स्वतंत्रता को भी बाधित करती हैं। अदालत ने इस बाबत केंद्र सरकार को तुरंत कदम उठाने को कहा है और 22 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है ताकि मामले में माह के अंतिम सप्ताह में सुनवाई हो सके। लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि, देशी-विदेशी एजेंसियां धर्मांतरण के जरिए देश का सांस्कृतिक चरित्र बदलने की कोशिशों में लगी हैं। खासकर आदिवासी व पिछड़े इलाकों में छलबल व धनबल के जरिए ऐसी कोशिशों को अंजाम दिया जा रहा है। दरअसल, यह संकट हमारे समाज में सामाजिक व आर्थिक असमानता से उपजा प्रश्न भी है। जिन आदिवासियों व निचले जातिक्रम में आने वाले समूहों को समानता का हक नहीं मिला, उन्हीं तबकों में व्याप्त आक्रोश को धर्मपरिवर्तन का अस्त्र बनाया जाता है। जातीय दंभ से त्रस्त समाजों में यह आक्रोश नजर भी आता है। अशिक्षा भी इसके मूल में एक बड़ा कारण है। नि:संदेह, सामूहिक धर्मांतरण की कोशिशें कालांतर सामाजिक तानाबाना भी बदलती हैं। ये कोशिशें बाद में सामाजिक टकराव की वाहक बनती हैं। वहीं राजनीतिक हित साधने का साधन भी होती हैं। जो बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी चुनौती पैदा कर सकती हैं। ऐसी चिंता अदालत ने भी जताई है। अदालत ने लोभ-लालच से कराए जाने वाले धर्मांतरण को गंभीर मामला बताते हुए इसे रोकने की दिशा में तुरंत कदम उठाने को कहा है। हालांकि, देश में कुछ राज्यों ने धर्मांतरण रोकने के लिये कानून भी बनाए हैं, लेकिन ये धर्मांतरण कराने वाली संस्थाओं पर अंकुश लगाने में कारगर साबित नहीं हुए हैं। यही वजह कि राष्ट्रीय स्तर पर धर्मांतरण रोधी प्रभावी कानून बनाये जाने की मांग की जाती रही है।

हाल के दिनों में देश के आदिवासी इलाकों से इतर पंजाब में भी धर्मांतरण के मामलों में तेजी आने की बात कही जाती रही है। धन का प्रलोभन देकर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण के आरोप लगते रहे हैं। कहा जा रहा है कि, हाल के वर्षों में धर्म विशेष की गतिविधियों में अप्रत्याशित तेजी आई है। कुछ समय में बड़ी संख्या में उपासना स्थल बनाए गये हैं। जिसके चलते पिछले पांच वर्षों में राज्य के कई जनपदों में सामाजिक संरचना में बदलाव देखने की बात कही जा रही है। यह बदलाव पिछड़े व वंचित वर्गों में ज्यादा देखा जा रहा है। नि:संदेह, देश में धार्मिक आजादी है और हर व्यक्ति को अपने अंत:करण की स्वतंत्रता है, लेकिन उसका उपयोग दूसरे धर्म के लोगों के धर्म परिवर्तन के लिए किया जाना अनुचित ही है। आरोप है कि अंधविश्वास, अज्ञानता, डर, लालच को अस्त्र बनाकर यह धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। कुछ इलाकों में महज अनाज देकर ही धर्म परिवर्तन करने की बात कोर्ट में याचिकाकर्ता ने कही है। कुछ लोगों को जीवन की रोजमर्रा की मुश्किलों का समाधान धर्म परिवर्तन में बताया जा रहा है। नि:संदेह, किसी की विवशता का लाभ उठाकर धर्म परिवर्तन कराना अनैतिक कृत्य ही कहा जाएगा। पिछले दिनों देश में पश्चिम बंगाल, नेपाल व राजस्थान से लगे सीमांत इलाकों में धार्मिक आधार पर जनसंख्या के स्वरूप में बदलाव को लेकर राष्ट्रीय एजेंसियां चिंता जता चुकी हैं। वे इस सुनियोजित कोशिश को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताती रही हैं। नि:संदेह, इस समस्या को राष्ट्रीय चुनौती मानते हुए जहां सरकार को यथाशीघ्र पहल करने की जरूरत है, वहीं समाज के स्तर पर जागरूकता की जरूरत है। सदियों से राष्ट्र की मुख्यधारा से कटे लोगों को मुख्यधारा में लाने के सार्थक प्रयास करने की जरूरत है। साथ ही गरीबी के दलदल में धंसे लोगों तक सरकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने की जरूरत है। जिससे उनका जीवन स्तर भी सुधरे। साथ ही इन इलाकों में साक्षरता के प्रसार के प्रयास हों, रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना भी जरूरी है। ताकि धर्म परिवर्तन से समाज के सांस्कृतिक चरित्र को बदलने की कोशिशों पर विराम लग सके। विदेशी एजेंसियों के माध्यम से जो धन धर्म परिवर्तन के लिए लाया जा रहा है, उस पर भी अंकुश लगे। वहीं दूसरी ओर देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भी अक्षुण्ण बनाए रखने की सख्त जरूरत है। ताकि धर्म परिवर्तन का मामला कटुता व हिंसा का वाहक न बने। इस मामले में सत्ताधीशों की उदासीनता व राजनीतिक हित भी ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने में बाधक बनते रहे हैं।

जनतांत्रिक परंपराओं से ही समृद्ध लोकतंत्र

एक पूर्व आईएएस अधिकारी ने एक बातचीत के दौरान जब कहा कि, प्रधानमंत्री काम के लिए कब समय निकाल पाते होंगे, तो चौंकना स्वाभाविक था। फिर उन्होंने बताया था कि वे ऐसा इसलिए कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री को दफ्तर में बैठकर कुछ फाइलें भी निपटानी होती हैं, उसके लिए समय चाहिए होता है, पर वे तो पिछले एक अर्से से लगातार चुनाव-प्रचार में ही लगे हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में मतदान अभी हो चुका है, अब गुजरात में होने वाला है। अगले साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक आदि में भी चुनाव होने वाला है। और जिस तरह से चुनाव-प्रचार में शीर्ष नेतृत्व का होना भारतीय जनता पार्टी की एक ज़रूरत या विवशता बनता दिख रहा है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक लगता है कि प्रधानमंत्री कब तक राज्यों में ही जूझते रहेंगे?

इसमें कोई संदेह नहीं कि महंगाई, बेरोज़गारी जैसे राष्ट्रीय स्तर के ज़रूरी मुद्दों के बावजूद कम प्राथमिकता वाले भावनात्मक मुद्दों को उठाकर मतदाता को अपनी ओर आकर्षित करने में हमारे राजनेता अक्सर सफल होते रहे हैं। राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री की इतनी व्यस्तता अस्वाभाविक नहीं है। पिछले लगभग एक दशक के दौरान उन्होंने पार्टी के स्टार प्रचारक की भूमिका बखूबी निभायी है, और ऐसा लगना भी अस्वाभाविक नहीं है कि उन्हें लग रहा है कि बिना उनके सत्ताधारी दल की चुनावी नैया पार लगना मुश्किल है। ऐसा नहीं है कि पिछली सरकारों के प्रधानमंत्रियों की स्थिति इससे नितांत भिन्न थी- विशेषकर जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी भी अपनी पार्टी के लिए चुनावी-जीत का एक मंत्र-सा बने हुए थे। किसी भी राजनीतिक दल की किसी व्यक्ति-विशेष पर इतनी निर्भरता अच्छी नहीं मानी जानी चाहिए। पर कांग्रेस के शासन-काल में भी स्थिति कुछ ऐसी ही थी, और आज भी सत्तासीन दल ऐसी निर्भरता का शिकार बनता जा रहा है। स्थिति तब और अटपटी लगने लगती है जब व्यक्ति-विशेष भी यह मानने लग जाता है कि वही अपनी पार्टी का तारणहार है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश में चुनाव-प्रचार के दौरान पीएम ने स्वयं पर केंद्रित करके बात कहना ज़रूरी समझा था। एक चुनावी सभा में उन्होंने कहा था कि मतदाता जब वोट देने जाएं तो वे स्थानीय उम्मीदवार के बारे में सोचने के बजाय 'मेरे बारे में' सोचें। यह मानकर चलें कि वे उन्हें वोट दे रहे हैं। निस्संदेह प्रधानमंत्री देश के लोकप्रिय नेता हैं। पिछले आठ-दस साल में धुआंधार चुनावी प्रचार करके उन्होंने यह तो बताया ही है कि मतदाता उनके नाम से वोट देता है। शायद यही देखते हुए उन्होंने हिमाचल के मतदाता को यह कहना ज़रूरी समझा था कि वे यह समझकर मतदान करें कि वोट किसी एक व्यक्ति या पार्टी को नहीं, प्रधानमंत्री को दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश की उस चुनावी-सभा में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि उन्हें हिमाचल की जनता के बीच रहने का सौभाग्य मिला है। उस काल का हिमाचल प्रदेश के लोगों का ऋण वे चुकाना चाहते हैं।

इस तरह के रिश्ते जोड़ने और ऋण चुकाने की बात राजनेता अक्सर किया करते हैं, पर जनतांत्रिक परम्पराओं का तकाज़ा है कि लगातार व्यक्ति-केंद्रित होती हमारी राजनीति में पनपती यह प्रवृत्ति कम हो। इसी प्रवृत्ति के चलते कभी कांग्रेस पार्टी एक परिवार पर निर्भर होती चली गयी थी। कांग्रेस आज भी इसका फल भुगत रही है। कभी इंदिरा गांधी, कभी सोनिया गांधी और कभी राहुल गांधी का सहारा यदि कांग्रेस जैसी किसी पार्टी की विवशता बनता है तो यह पार्टी के लिए ही नहीं, जनतांत्रिक परंपराओं के लिए भी एक खतरे की घंटी है।

आज भले ही भाजपा 'सबका साथ, सबका सहयोग' की बात करे पर स्वयं पार्टी के भीतर की स्थिति कुछ इस तरह की बनती जा रही है कि 'सबका' शब्द का अर्थ कुछ नामों में सिमटा जा रहा है। देश के सबसे बड़े दल को इस बारे में सोचना ही होगा कि हर चुनाव में देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को प्रचार के लिए उतरना पड़ता है। जब प्रधानमंत्री यह कहते हैं कि मतदाता वोट देते समय यह मानकर मतदान करे कि वह उन्हें ही वोट दे रहा है तो यह सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है कि क्या उन्हें यह लगता है कि एक खास नेता के नाम से ही चुनाव जीता जा सकता है?

प्रधानमंत्री के नाम पर वोट मिलना या वोट मांगना ग़लत नहीं है, ग़लत है इस भावना या धारणा का पनपना कि नेता विशेष पार्टी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वोट प्रधानमंत्री के काम पर ज़रूर पड़ना चाहिए पर उनका नाम पार्टी की मजबूरी नहीं बनना चाहिए।

ऐसे ही किसी खतरे की ओर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देश की जनता को आगाह किया था। एक छद्मनाम 'चाणक्य' के नाम से उन्होंने एक लेख लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष (नेहरू) में तानाशाह बनने की तमाम योग्यताएं मौजूद हैं। उनमें अंधा विश्वास करके देश की जनता तानाशाही का रास्ता ही सुगम बनायेगी। यह बात नेहरू ने आज़ादी मिलने से दस साल पहले कही थी। मुझे आज़ादी मिलने के पांच-सात साल बाद की भी एक बात याद आ रही है। दूसरे आम-चुनाव के प्रचार के दौरान नेहरू बीकानेर आये थे। वहां एक चुनावी-सभा में भाषण करते हुए उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के उम्मीदवार का नाम उन्हें याद नहीं आ रहा, पर वे चाहते हैं कि मतदाता कांग्रेस पार्टी के नाम पर, कांग्रेस के सिद्धांतों-नीतियों के समर्थन में वोट दें। नेहरू ने यह नहीं कहा कि मतदाता वोट देते समय उनका ध्यान करें, उन्होंने कहा, मतदाता कांग्रेस पार्टी को याद रखे।

विश्वनाथ सचदेव

जनतांत्रिक परम्पराओं का यही तकाज़ा है। आज भी उन्हीं परम्पराओं को याद रखने, उन्हें मज़बूत बनाने की आवश्यकता है। व्यक्ति महत्वपूर्ण होता है, पर उतना नहीं जितना महत्वपूर्ण विचार होता है। दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति से यह विचार तत्व गायब होता जा रहा है। दुर्भाग्य यह भी है कि अक्सर व्यक्ति स्वयं को विचार से अधिक महत्वपूर्ण मानने लगता है। यह स्थिति बदलनी चाहिए। आश्वासनों और 'रेवड़ियों' के सहारे चुनाव शायद जीते भी जा सकें, पर ज़रूरी है नेता और नागरिक दोनों जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति ईमानदारी बरतें। चुनावी माहौल में अक्सर हमारे नेता कुछ ऐसा कह जाते हैं, कर जाते हैं, जो मर्यादाओं के अनुकूल नहीं होता। मर्यादा का पालन होना ही चाहिए। साथ ही नेतृत्व को इस बात के प्रति भी सावधान होना होगा कि कोई भी स्वयं को लोकतंत्र से ऊपर न समझे।

2024 का लोकसभा चुना मंदिर और मस्जिद के समभाव पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं। केंद्र सरकार के जो भी निर्णय होते हैं। उनके पीछे चुनाव जीतने की एक लंबी योजना होती है। कई वर्षों पहले योजना पर काम करना शुरू कर देते हैं।यह आत्मविश्वास ही चुनाव जीतने का प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का सबसे बड़ा मूल मंत्र है। किस विषय को किस समय पर और कितनी मात्रा में प्रभावी बनाना है। इसकी समझ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सिपहसालार अमित शाह को बहुत अच्छे से आती हैं। वहीं अपने प्रतिस्पर्धीयों को किस तरीके से मात देना है। यह भी उनकी रणनीति का एक बड़ा हिस्सा होता है।

डिमांड और सप्लाई बाजार का गुण माना जाता है। इसी से कीमतें तय होती हैं। जब डिमांड ज्यादा होंगी और सप्लाई कम होगी,तो कीमतें बढ़ेंगी। जब डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा होगी, तो कीमतें घटेंगी। इसी तरह राजनीति और चुनाव जीतने में भी बाजारवाद पूरी तरह से हावी हो गया है। विचारधारा एवं धार्मिक आस्था का अब कोई भी स्थान चुनाव की राजनीति में नहीं रहा। पिछले कुछ वर्षों की चुनावी राजनीति ने यह स्पष्ट भी कर दिया है। मतदाताओं को कैसे अपने पक्ष में लाना है, कब उसे भयभीत करना है, कब उसे आर्थिक आधार पर अपने साथ जोड़ना है। मतदाता की सामाजिक और धार्मिक आस्था को कैसे जगाना है। मतदाता को किस माध्यम से अपने पक्ष में लाया जा सकता है। चुनाव में अब बाजारवाद ही सबसे बड़ा सहारा होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनाव जीतने की इसमें रणनीति और मनोविज्ञान एक साथ काम करता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या में मुसलमानों को दी गई जमीन पर मस्जिद का निर्माण कार्य 2023 तक पूरा हो जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार संकल्पित है। मस्जिद का निर्माण इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के जरिए हो रहा है। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड से मस्जिद निर्माण का काम कराया जा रहा है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मस्जिद, अस्पताल, सामुदायिक रसोई, पुस्तकालय और रिसर्च सेंटर का नक्शा तैयार कर लिया है। इसके लिए वित्तीय संसाधन भी एकत्रित कर लिए गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के पूर्व भव्य मस्जिद, अस्पताल,सामुदायिक रसोई, पुस्तकालय, और रिसर्च सेंटर बन जाएगा। इसका उद्घाटन दिसंबर 2023 तक करके भारत में सबका साथ सबका विकास के नाम से मुस्लिमों के साथ और सांप्रदायिक धार्मिक सद्भाव की नई छबि बनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसका प्रचार प्रसार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगा। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को, महात्मा गांधी की तरह सारे विश्व के देशों में एक यशस्वी नेता के रूप में स्थापित करेगा।

दिसंबर 2023 तक श्री राम जन्म तीर्थ क्षेत्र का निर्माण काफी हद तक पूरा हो जाएगा। 14 जनवरी,मकर संक्रांति के दिन राममंदिर का भी विधिवत उद्घाटन,प्राण प्रतिष्ठा इत्यादि के कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक सद्भाव के रूप में प्रचारित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश और देश में पूरी तरह से हिंदू एवं मुसलमानों की धार्मिक आस्था के साथ मंदिर और मस्जिद को सांप्रदायिक सद्भाव का अभी तक का सबसे बड़ा मसीहा बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबके सामने होंगे। उसके बाद ही 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव जीतने की योजना सफल होगी। इसके लिए व्यापक कार्य योजना तैयार होकर अमलीजामा पहनाने की तैयारी और मार्केटिंग की सारी व्यवस्था शुरु हो गई हैं।

भारत के किसी भी राजनीतिक दल में अभी तक मोदी और शाह की चुनाव जीतने की रणनीति और बाजारवाद की सोच की तैयारियों का मुकाबला करने की कोई स्थिति नहीं है। चुनाव लड़ने के लिए वर्तमान में विपक्ष के पास पैसा भी नहीं है। चुनाव भी अब अमीर और गरीब राजनीतिक दलों के बीच में हो रहे हैं। भाजपा के मुकाबले में सारे विपक्षी दल आर्थिक रूप से भाजपा का मुकाबला कर पाने में सक्षम नहीं है। नाही भाजपा के बाजारवाद का मुकाबला कर पाने की कोई स्थिति है। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव जीतने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेती है।

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए अभी से अल्प संख्यक और बहुसंख्यक मतदाताओं को कैसे धार्मिक और आर्थिक आधार पर अपने पक्ष में लाया जा सकता है। इसकी पूरी तैयारी मोदी-शाह ने कर ली है। जिम्मेदारियों एवं नाकामियों को छिपाकर, लालच और भय को आस्था की डोर में बांधकर कैसे चुनाव जीता जाता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी की पिछले वर्षों की बड़ी सफलता, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

जल संकट : समझनी होगी बेशकीमती पानी की महत्ता

पिछले सप्ताह देश में जल सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें जल संरक्षण, जल के उपयोग एवं जल स्त्रोतों को संरक्षित करने के विषय पर चर्चा के लिए विभिन्न देशों के दो हजार से भी ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। जल सप्ताह के दौरान जल शोधन तथा जल को बचाने के लिए गंभीरता से चर्चा हुई। ग्रेटर नोएडा में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत जल सप्ताह का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कहना था कि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और सुरक्षित कल देने में सक्षम होने का एकमात्र तरीका जल संरक्षण ही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पानी की कमी को लेकर व्याप्त संकट अकेले भारत की ही समस्या है बल्कि जल संकट अब दुनिया के लगभग सभी देशों की विकट समस्या बन चुका है। राष्ट्रपति का भी कहना था कि पानी का मुद्दा केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का कहना था कि देश में जनसंख्या और जल की उपलब्धता में विषमता पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। देश में आज कई इलाके ऐसे हैं, जो जल संकट की भयावह स्थिति से गुजर रहे हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों के बीच बरसों से पनप रहे जल विवाद भी समस्या को विकराल बनाते रहे हैं। इसीलिए उपराष्ट्रपति ने भारत जल सप्ताह के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्यों के बीच जल विवाद से कोई लाभ नहीं होगा और उन्हें जल विवादों से बचना चाहिए तथा इनका हल निकालना चाहिए। देश में जल संकट को लेकर अब जिस प्रकार की स्थितियां निर्मित होने लगी हैं, ऐसे में देश में हर साल जल सप्ताह मनाने की नहीं बल्कि पूरे साल 'जल वर्ष' मनाने की सख्त दरकार है।

वर्ष 2018 में शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में भी पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले वर्ष चेन्नई में भी वैसी ही स्थिति देखी गई थी। महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष अब विशेषकर गर्मी के मौसम में तो जगह-जगह से पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में मारपीट या झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही कारण है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं। चिंताजनक स्थिति यह है कि दुनियाभर में पानी की कमी के कारण विभिन्न देशों में और भारत में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं। विभिन्न राज्यों के बीच पानी के बंटवारे के मामले में कई दशकों से गहरे मतभेद बरकरार हैं, जिस कारण राज्यों के आपसी संबंधों में तनातनी देखी जाती रही है। वर्तमान में भी जल वितरण का मामला अधर में लटका रहने से कुछ राज्यों में जलसंकट की स्थिति गंभीर बनी है।

अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब तो है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्त्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो लगातार बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है।

प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में मैंने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में जल संकट गहराते जाने का प्रमुख कारण भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर ही है। हालांकि सर्वविदित तथ्य यही है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हर जगह पानी का दुरूपयोग होते दिखता है तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्त्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसी कारण वर्षा का पानी इन जलसोतों में समाने के बजाय बर्बाद हो जाता है। भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो पूरी तरह गायब हो गए हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण सवाल यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और अगर भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण न हो पाने के कारण ही इस पानी का भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता।

योगेश कुमार गोयल

बहरहाल, केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि वर्षा की एक-एक बूंद अनमोल है बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के प्रत्येक व्यक्ति को संजीदा होना होगा। यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस प्रकार जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। जल संकट आने वाले समय में बेहद विकराल समस्या बनकर न उभरे, इसके लिए हमें समय रहते पानी की महत्ता को समझना ही होगा और हमें लोगों को जल संरक्षण के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिए वर्षभर जल सप्ताह जैसे ही आयोजन करते रहने होंगे।

जिले में लगातार हो रहा सांसद डामोर का विरोध

गौरव दिवस कार्यक्रम में भाग लेने आए सांसद-विधायक के काफिले को घेरा

पुलिस और जयस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई, सांसद मुर्दाबाद के लगे नारे

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर के सांसद गुमानसिंह डामोर का लगातार विरोध रतलाम जिले में देखने को मिल रहा। जब भी सांसद जिले के प्रवास पर होते है किसी न किसी प्रकार का विरोध हो ही जाता है। इससे पहले भी ग्रामीण, कांग्रेस, किसान व भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा भी अलग-अलग मुद्दों पर सांसद का कड़ा विरोध और काले झंडे तक दिखा चुके है। मंगलवार को एक बार फिर सांसद को घेरा गया। इस बार रतलाम जिले में निवेश क्षेत्र का विरोध कर रहे जयस संगठन ने रतलाम के पास ग्राम धराड़ में सांसद और विधायक के वाहनों के काफिले का उस समय घेर लिया जब वे वहां से गुजर रहे थे।

पुलिस और जयस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की

अचानक हुए इस घटनाक्रम से ग्राम धराड़ में हडक़ंप मच गया। रतलाम में बन रहे निवेश क्षेत्र का विरोध करते हुए जयस के हजारों का कार्यकर्ता जनप्रतिनिधियों के वाहनों के काफिले के सामने उग्र प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने मोर्चा संभालकर इन्हें हटाया तब जाकर इनका काफिला वहां से गुजर पाया। समीपस्थ ग्राम बड़छापरा में बिरसा मुंडा जयंती के मौके पर प्रशासनिक कार्यक्रम जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया, तो दूसरी ओर आदिवासी समाज के भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर उनकी प्रतिमा स्थापना की जानी थी। प्रशासन के कार्यक्रम के बाद मौके से प्रशासन लौट रहा था। इसी दौरान दूसरी तरफ बड़छापरा में भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने जयस के सैंकड़ों कार्यकर्ता डीजे के साथ में रैली लेकर बड़छापरा जा रहे थे। धराड़ में आदिवासियों की रैली जो की धराड़ के आसपास के क्षेत्र से आदिवासी आए हुए थे। धराड़ा में दोनों का आमना-सामना हुआ तो जयस के कार्यकर्ता काफिले के आगे जा बैठे और निवेश क्षेत्र का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी करने लगे। सांसद गुमानसिंह डामोर और ग्रामीण विधायक दिलीप कुमार मकवाना के साथ प्रशासन का काफिला रोक दिया गया। सांसद और विधायक मुर्दाबाद के नारे लगे। धराड़ में हुए हंगामे के दौरान पुलिस और जयस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। उग्र विरोध प्रदर्शन के चलते सांसद डामोर वाहन में ही बैठे रहे और प्रशासन और पुलिस विरोध करने वालो को हटाने के लिए मशक्कत करती रही।

पुलिस ने कई लोगों पर किया मामला दर्ज

ग्राम धराड में सांसद और विधायक के काफिले का घेराव करने और पथराव कर कलेक्टर के गनमेन को घायल करने के मामले में जयस नेताओं के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में जयस के कुछ नेताओं को गिरफ्तार करने की जानकारी भी मिली है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि, धराड में हुई घटना के मामले में जयस नेताओं के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, शासकीय कर्मचारी को क्षति पंहुचाने और सार्वजनिक रास्ता रोकने इत्यादि की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा जल्द ही घटना में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हांलाकि देर रात तक आरोपियों के नाम स्पष्ट नहीं हो सके। 2023 विधानसभा चुनाव के चलते मामला गरमाना तय है। जयस कार्यकर्ताओ की गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध शुरु हो गया है। वही भाजपा इस मामले को मौका बनाकर कई जयस नेताओ को निशाना बना सकती है।

लूट का हुआ पर्दाफाश, फरियादी ही निकला आरोपी

माही की गूंज शाजापुर।

जिले के सलसलाई थाना अंतर्गत ग्राम मुडलाय से आगे गिराना जोड पर हुई 4 लाख रूपय से अधिक की हुई लूट मामले में एसपी जगदीश डावर व एएसपी टीएस बघेल ने स्थानीय कंट्रोल रूम में लूट का खुलासा किया है।

एसपी जगदीश डावर ने बताया कि, फरियादी बनकर आए आरोपी करीम खां निवासी पनवाड़ी ने थाना सलसलाई पर आकर रिपोर्ट की कि वह इतिहाद रोड लाईन ट्रांसपोर्ट मक्सी में हमीद खाँ उर्फ गुड्डु भाई सेठ के यहाँ मुनिम गिरी करता है। उनका सेठ हमीद खाँ का ट्रेन से आने वाली सीमेंट अल्ट्रा एवं एसीसी कम्पनी की सीमेंट को ट्रेन से आने पर उसे स्टेशन से खाली करने का ठेका है तथा काम में लगे मजदुरों को पैसे पैमेंट करता है। दिनांक 11 नवंबर को वह सेठ हाफिज निवासी मक्सी से मजदूरों एवं सीमेंट व्यापारी का पैमेंट करने के उनसे से 4 लाख 85 हजार रुपये लेकर आया था। जिसे दिनांक 12 नवंबर को सुबह के समय साढ़े 7 बजे से 8 बजे के करीबन मैं अपने घर पनवाडी से एक कपडे की थैली मे नगदी 4 लाख 85 हजार रुपये, कपडे की थैली में रखकर थैली मेरी मोटरसाईकिल होण्डा साईन के हेंडल में टांगकर ग्राम पनवाडी से तिंगजपुर होता हुआ मदाना होकर सलसलाई होकर ग्राम मुडलाय से आगे गिराना जोड पर पहुचा था। जहां सुबह साढ़े 9 से 10 बजे के बीच मेरी मोटरसाईकल के पीछे दो मोटर साइकल वाले जिस पर तीन आदमी बैठे, एक मोटरसाइकल पल्सर काले रंग की तथा दुसरी मोटरसाइकल साईन सिल्वर कलर की थी। पल्सर मोटर साइकिल वाले व्यक्ति ने हैलमेट पहना था तथा मोटा सा सावले रंग का तथा दुसरी मोटर साइकल वाले व्यक्ति ने कपडे से मुह बांध रखा था। पल्सर मो.सा. वाले ने मेरी मो.सा. के बराबर लाकर मुझसे अकोदिया जाने का रास्ता पुछा तो मैंने अपने सीधे हाथ से मोटर साइकल का हैंडल छोड़कर हाथ ऊँचा करके सीधे चले जाने का बोला। इतने में उसी पल्सर वाले व्यक्ति ने मेरे हँडल में टगी रुपयो से भरी थैली मोटर साइकल के हैंडल से निकाल ली तथा पीले रंग की शर्ट वाले ने मुझे पकड़ लिया और मेरा मोबाइल जेब से निकाल लिया। मेरे द्वारा विरोध करने पर मेरे साथ पत्थर से मारपीट की। जिससे में मोटर सायकल से निचे गिर गया व तीनों आरोपी मुझसे लूटे हुए 4 लाख 85 हजार रूपये व एन्ड्रोयड मोबाईल लेकर अकोदिया तरफ भाग गये। दोनो मोटर साईकिलो के नम्बर में घबराहाट के कारण नहीं देख सका। मैं घबरा कर गिर गया था व अपने परिवार वालों व सेठ हाफिज को बताकर रिपोर्ट करने आया।

उक्त रिपार्ट पर थाना सलसलाई पर अपराध धारा 394 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। एसपी डावर ने बताया कि, तत्काल कार्रवाई करते हुए फरियादी करीम खां से पुछताछ की गई एवं मेडीकल परीक्षण करवाया गया। लूटे गए मोबाईल की सायबर सेल की मदद से जानकारी प्राप्त की गई। सम्पूर्ण जांच पर से फरियादी करीम खां पर ही संदेह होना पाया गया। जिससे सख्ती से पूछताछ की गई जो काफी समय तक पुलिस को बरगलाता रहा। किन्तु हिकमतअमली करने पर उसके स्वयं के द्वारा ही योजना बनाकर षडयंत्र पूर्वक सेठ हाफिज खां से लिये हुए 4 लाख 85 हजार रूपये जो की अपना कर्जा चुकाना चाहता था को स्वयं के घर पर ही अलमारी में रखना बताया। जिसका मेमो लिया जाकर उक्त आरोपी के घर से ही लूट के 4 लाख 85 हजार रूपये बरामद किये गये हैं एवं आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

निजी अस्पतालों में मरीजों से लगवा रहे रहे बायोमेट्रिक अटेंडेंस

माही की गूंज, मंदसौर।

आयुष्मान योजना के अंतर्गत फर्जीवाड़ा रोकने के लिए शासन ने नया नियम लागू किया है। इसके तहत मुफ्त इलाज कराने वाले मरीज को बायोमेट्रिक अटेंडेंस जरूरी होगा। यह व्यवस्था आयुष्मान कार्ड के तहत इलाज करने वाले जिले के सभी अस्पतालों में लागू हो गई। नए नियमों से फर्जीवाड़ा को रोकने में मदद मिलेगी लेकिन मरीजों को फिंगर प्रिंट नहीं मिलने तो सर्वर डाउन सहित अन्य तकनीकी दिक्कत होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आयुष्मान निरामय योजना में कई फर्जीवाड़े सामने आ चुके हैं। एक ही अस्पताल में मरीज को रखकर दूसरे अस्पताल में रेफर दिखाना, एक मरीज के दो-दो पैकेज दिखाना, एक अस्पताल में भर्ती किए मरीज की दो अस्पतालों में भर्ती दिखाने जैसे कई मामले सामने आए हैं। इसके चलते सरकार ने ये नई गाइडलाइन जारी की है ताकि इन जैसे फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाया जा सके।

जिले के 7 निजी व 2 सिविल अस्पताल सहित जिला अस्पताल में योजना के तहत इलाज किया जा रहा है। इसमें लगातार आ रही भ्रष्टाचार की शिकायतों को लेकर स्टेट हेल्थ एजेंसी भोपाल से नई गाइडलाइन जारी हुई है। इसके तहत बायोमेट्रिक करना जरूरी कर दिया है। यदि कोई संबधित मरीज बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठे का निशान नहीं लगाता है तो वह आयुष्मान योजना का लाभ नहीं ले पाएगा। इस तरह शासन की नई गाइडलाइन मरीजों के लिए आफत बनी है।

निशान नहीं मिलने पर भी करना होगी प्रक्रिया

यदि किसी का अंगूठे का निशान नहीं मिल रहा है तो उसका आईडी नंबर व आधार कार्ड सहित जानकारी अस्पताल के लेटर पैड पर लिखकर एजेंसी को भेजनी होगी। जहां से तुरंत अप्रूवल आने के बाद ही वह व्यक्ति योजना का लाभ ले सकेगा। यदि इसमें परेशानी हुई तो योजना का लाभ लेना मुश्किल हो सकता है। सीएमएचओ डॉ. अनिल नकुम ने बताया कई मामलों में ओटीपी वेरिफिकेशन वाले प्रकरण रिजेक्ट किए जा रहे हैं।

अवैध रूप से शराब का परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, भानपुरा। जिले की भानपुरा पुलिस ने लोटखेड़ी तिराहा से एक कार अवैध रूप से ले जाई जा रही शराब को बरामद किया है। पुलिस ने मौके से कार चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी अवैध रूप से बिना वैध अनुमति के शराब की तस्करी कर रहा था।

भानपुरा थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि, कार से अवैध शराब खपाई जाने वाली है। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर लोटखेड़ी तिराहा के निकट से कार क्रमांक एमपी 41 बीसी 1938 को रोककर उसकी तलाशी लेने के दौरान कार में रखे 5 कार्टून में अवैध देशी शराब करीब 61 लीटर बरामद की गई। मौके से पुलिस ने कार चालक दिनेश पिता नारायण मीणा (35) निवासी गांधी सागर गेट नम्बर 3 को गिरफ्तार किया है। आरोपी बड़ी मात्रा में अवैध शराब कहा से लाया था और कहा खपाने वाला था इसकी जानकारी जुटाई जा रही हैं।

शराब के नशे में मोटरसाइकिल चालक ने पैदल जा रहे पति-पत्नी को मेरी टक्कर, पति की हुई मौत

माही की गूंज, रतलाम/ताल।

शासन-प्रशासन चाहे शराब खोरी, नशाखोरी के विरुद्ध कितने भी अभियान चला ले कितने ही दावे करें परंतु कतिपय की तथाकथित लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है और वह फिर अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं, परंतु इससे शराब खोरी करने वाले शराबियों कोई फर्क नहीं पडता। जिले के ताल में मंगलवार की रात्रि में राह चलते पति-पत्नी को एक शराब के नशे में धुत मोटरसाइकिल चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे महिला के पति की बहुत ही दर्दनाक मौत हो गई एवं मोटरसाइकिल चालक स्वयं घायल हो गया। जिसमें पुलिस द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस थाना ताल से मिली जानकारी अनुसार करवाखेड़ी रहवासी कमल पिता शंकरलाल राठौड़ (26) एवं पत्नी पूजा राठौर दोनों रोड के साइड में सड़क के पास चल रहे थे कि तभी पीछे से तेज गति पूर्वक एवं लापरवाही से मोटरसाइकिल चलाते हुए मोटरसाइकिल वाहन क्रमांक एमपी 14 बीबी 0413 के वाहन चालक अर्जुन सिंह पिता बापू सिंह निवासी खिजड़िया सोंधियान ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कमल राठौर की घटना में मृत्यु हो गई, वहीं वाहन चालक अर्जुन सिंह घायल हो गया। वहीं उक्त मामले को लेकर डॉक्टर अनूप कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, घायल का शरीर से खून अधिक बह जाने के कारण उसकी मृत्यु हुई है, वही घायल मोटरसाइकिल वाहन चालक अर्जुन सिंह का प्राथमिक उपचार उपचार किया गया है।

प्रशासन ने हटाया नाले पर किया अवैध अतिक्रमण

माही की गूंज, मंदसौर। प्रशासन ने डिगांवमाली में कार्रवाई करते हुए नाले पर निर्मित करीब 1 हजार फीट बाउंड्रीवॉल हटाई। तहसीलदार मुकेश सोनी ने बताया, प्रशासन व पुलिस ने संयुक्त रूप से गांव डिगांवमाली में भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। शासकीय नाला सर्वे क्रमांक 370 में दीवार बनाकर अतिक्रमण किया था।

इसके संबंध में नायब तहसीलदार मंदसौर ग्रामीण में विधिवत प्रकरण दर्ज कर सुनवाई की गई। इसके बाद बेदखली हेतु आदेश पारित कर समस्त अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई राजस्व विभाग, पुलिस बल की उपस्थिति में की गई। तहसीलदार मुकेश सोनी, नायब तहसीलदार राहुल डावर व राजश्री ठाकुर मौजूद थे। जानकारी के अनुसार पूर्व में यह कार्रवाई 31 अक्टूबर को प्रस्तावित थी। इस दिन जमीन मालिक अंकित पिता कमल ने हाईकोर्ट से कार्रवाई के विद्ध स्टे ले आए। इसमें हाईकोर्ट ने इस पक्ष को सुनने के भी निर्देश दिए थे। जिसे प्रशासन ने सेम डे ही खारिज कर दिया। इसके बाद संबंधित ने लोअर कोर्ट में दावा लगाया, जो विचाराधीन है। इसी दौरान मंगलवार को प्रशासन ने कार्रवाई कर दी।

विधायक की कार को ट्रक ने मारी टक्कर

माही की गूंज, मंदसौर। विधायक यशपालसिंह सिसौदिया पत्देनी वेंद्रकुंवर के के साथ मंगलवार दोपहर भोपाल के लिए निजी कार से रवाना हुए। भोपाल में सुबह उन्हें कार्यशाला में शामिल होना था। शहर से 10 किलोमीटर दूर महू-नीमच फोरलेन हाईवे पर नयाखेड़ा के निकट उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में विधायक का वाहन डैमेज हो गया। गनीमत रही कि कार में सवार विधायक, उनकी पत्नी, वाहन ड्राइवर ओर गनमैन में से कोई चोटिल नहीं हुआ। सूचना पर शहर कोतवाली टीआई और नई आबादी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। विधायक ने बताया भोपाल में होने वाली कार्यशाला में उन्हें शामिल होना था। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता होने के नाते उनकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। लिहाजा अर्जेंट भोपाल पहुंचना था इसलिए वे दूसरा वाहन लेकर भोपाल रवाना हो गए। हादसे में हताहत नहीं होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर ईश्वर व शुभचिंतकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। दलौदा थाना प्रभारी संजयसिंह परिहार ने बताया गाय को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ था। मामले में विधायक ने केस नहीं दर्ज कराया।

हाइवे पर हुआ बड़ा हादसा

बेकाबू कार ने मजदूरों को रौंदा, चार की मौत एक दर्जन घायल

फोरलेन जमुनिया फंटे पर रैलिंग लगाने का काम कर रहे थे मजदूर

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम-इन्दौर हाईवे फोरलेन पर मंगलवार शाम को बडा हादसा हो गया। सड़क किनारे काम कर रहे मजदूरों को हाईवे से गुजर रही एक बेकाबू कार ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दुर्घटना में मौके पर ही चार मजदूरों ने मौके पर ही दम तोड दिया, जबकि करीब एक दर्जन मजदूर गंभीर रुप से घायल हो गए। रतलाम-इन्दौर हाईवे पर जमुनिया फन्टे के नजदीक एक पुलिया पर मजदूर रैलिंग लगाने का काम कर रहे थे। शाम पांच और साढे पांच के बीच इन्दौर से रतलाम की ओर बेहद तेज गति से आ रही एक बलेनो कार का चालक कार पर से नियंत्रण खो बैठा और कार ने सडक किनारे काम कर रहे मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के नाम छोटू पिता सुरेश (23), टीटू पिता सुरेश(20), विकास पिता राकेश कश्यप (19) और हरिओम पिता हरिप्रसाद(23) सभी निवासी उत्तर प्रदेश के है। कार की चपेट में आने से करीब एक दर्जन मजदूर गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर कार की जप्त

बिलपांक पुलिस ने कार चालक के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करते हुए बलेनो कार को जब्त कर लिया है और कार चालक को राउण्ड अप लिया है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी, एसपी अभिषेक तिवारी तथा विधायक ग्रामिण दिलीप मकवाना आदि जिला चिकित्सालय पंहुचे और उन्होने घायलों के उपचार की जानकारी ली।

दर्दनाक हादसे में यह गंभीर रूप से हुए घायल

दुर्घटना में मजदूर योगेश पिता महेश (17), मनवीर पिता मंगल सिंह (19), ओमपाल पिता मंगल सिंह (32), अमित पिता दलवीर सिंह (18), चंदू पिता शेरसिंह (17) एवं आशीष पिता नाहर सिंह (18) सभी निवासी ग्राम मलिकपुरा जिला अलीगढ़ (उत्तरप्रदेश) तथा मजदूर दीपक पिता जगमोहन सेन (19) निवासी ग्राम मथना जिला अलीगढ़ गंभीर घायल हुए हैं। इसके अलावा कार में सवार सौरभ पिता शैलेन्द्र जैन (28) निवासी पैलेस रोड रतलाम, उसकी मां शालिनी जैन (52) एवं नानी शांता जैन (75) निवासी नई आबादी मन्दसौर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। कार सवार व दो अन्य घायलों को परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए।

मामले में बिलपांक पुलिस थाना प्रभारी ओपी सिंह का कहना है कि, अचानक कार का संतुलन बिगड़ने से उक्त बड़ा हादसा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हुस्न पर फिदा हुआ व्यापारी, आखिर में देनी पड़ गई जान

माही की गूंज, खंडवा।

जिले में हनी ट्रैप की एक चौकानी वाली वारदात सामने आई है। हरसूद के नामी व्यापारी विनीत अग्रवाल को एक डांसर को दिल देने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इसकी शुरुआत एक आर्केस्ट्रा पार्टी से हुई। पार्टी में उज्जैन की गुड़िया के डांस पर विनीत फिदा हो गया। पति को तलाक दे चुकी गुड़िया विनीत की प्रापर्टी देखी तो वह लालच में आ गई। मां और बहन के साथ मिलकर गुड़िया विनीत को अपनी जाल में फंसा लिया। शुरुआत में तो विनीत ने भी खूब खर्च किया लेकिन बाद में जब इस पर रोक लगानी चाही तो ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू हो गया। अंत में विनीत ने नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली।

एसपी विवेक सिंह की अगुआई में में हरसूद एसडीओपी रवींद्र वास्कले और टीआई अंतिम पंवार की टीम पिछले तीन दिनों से व्यापारी विनीत अग्रवाल आत्महत्या कांड को सुलझाने में लगी हुई थी। टीआई ने बताया कि, सीडीआर, कॉल डिटेल व परिजन के बयान लिए गए। इससे स्पष्ट हुआ कि, उज्जैन स्थित विराट नगर निवासी गुड़िया उर्फ बिट्टू उर्फ खुशनुमा पठान बहन नरगिस (19) और मां मजहरी की प्रताड़ना से परेशान होकर विनीत ने खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह तीनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। गुड़िया व नरगिस गिरफ्तार हो चुकी हैं। मां मजहरी फरार है। उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

दोस्ती ने बदल दी थी किस्मत

उज्जैन के चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार गुड़िया के परिवार में मां-बहनें ही हैं। गुड़िया की शादी राहुल नामक शख्स से हुई थी। उसकी पांच वर्ष की एक बेटी भी है। गुड़िया की ऊंची ख्वाहिशों को राहुल पूरा नहीं कर पा रहा था इसीलिए उनके बीच विवाद होने लगे। फिर इनका तलाक भी हो गया। उसके बाद फिर से तीनों एक हो गई। आर्थिक स्थिति खराब थी। गुड़िया कैटरिंग में काम करने लगी। इसी के साथ वह आर्केस्ट्रा पार्टी से जुड़ गई। वह पार्टियों में डांस करने लगी और डांस गर्ल बन गई।

रुपयों का सिलसिला थमा तो कर दूंगी बदनाम

विनीत ने कम समय में व्यापार से लेकर शहर में अपनी पहचान बना ली थी। वह लोगों के सामने अपनी शान-शौकत के लिए लाखों रुपए खर्च कर देता था। जिससे कि उसका नाम हो। इधर गुड़िया के हनी ट्रैप में जब विनीत पूरी तरह फंस गया तो वह पत्नी की तरह अधिकार जमाने लगी। शॉपिंग के बिल के भुगतान करते करते विनीत तंग आ गया। बताया जा रहा है कि हर महीने एक से दो लाख रुपए विनीत गुड़िया व उसके परिवार पर खर्च कर देता था। जब उन खर्चों को कंट्रोल करने के लिए विनीत ने कह तो विवाद शुरू होने लगे। उनकी मंशा भांपकर विनीत ने रुपए देने से इनकार कर दिया। इस पर गुड़िया और उसका परिवार विनीत को ब्लैकमेल करने लगा। गुड़िया धमकाने लगी कि मैं हरसूद में आकर हंगामा करूंगी। घर में तेरी पत्नी को बताऊंगी फोटो-वीडियो वायरल कर तेरी इज्जत कर दूंगी। पत्नी मोनिका ने भी पति को गुड़िया व उसकी मां-बहनों द्वारा प्रताड़ित करने का बयान दर्ज करवाया है।

प्रेम के ड्रामे से शुरू हुई कहानी ब्लैकमेलिंग पर खत्म

विनीत के दोस्त लक्की उर्फ ललित शर्मा कैटरर्स हैं। पुलिस को दिए बयान में लक्की ने बताया कि, डेढ़ वर्ष पहले मांडू में खाद-बीज कंपनी ने आर्केस्ट्रा पार्टी रखी थी। जिसमें खिरकिया के खाद-बीज व्यापारी विवेक जैन के साथ विनीत भी उसमें शरीक हुए थे। पार्टी में गुड़िया ने डांस किया। गुड़िया के डांस और खूबसूरती का विनीत मुरीद हो गया। दोनों का परिचय हुआ और फिर एक-दूसरे के मोबाइल नंबर लिए। इनके बीच बातचीत होने लगी। गहरी दोस्ती होने के बाद प्रेम का सिलसिला शुरू हो गया। विनीत उससे मिलने के लिए उज्जैन व इंदौर आने लगा। परिजन ने भी बताया था कि गुड़िया दो बार विनीत से मिलने हरसूद आ चुकी थी। विनीत का बड़ा घर, दुकान व वेअर हाउस देख गुड़िया और उसके परिवार का ईमान डगमगा गया। तीनों ने विनीत को प्रेम के जाल में फंसाकर उससे लाखों रुपए ऐंठकर विराट नगर में घर बनवा लिया। दोनों बहन और मां हजारों की शॉपिंग करने लगी। बिल का पेमेंट करने के लिए विनीत को बार कोड भेज दिया करती थी। विनीत ने एक समय के बाद जब रुपए देने से इनकार कर दिया तो गुड़िया ने ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

रेत का अवैध परिवहन करते हुए 5 बड़े हाइवा और एक डम्पर खनिज विभाग की गिरफ्त में

माही की गूंज, खरगोन।

मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि में काटकूट और सनावद क्षेत्र में हाइवा से रेत के अवैध परिवहन करने की सूचना पर खनिज विभाग ने 5 बड़े हाइवा और 1 डम्पर को अपनी गिरफ्त में लिया है। यह सब रात 2 बजे से सुबह 5 बजे के बीच घटित हुआ है। खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि, काटकूट क्षेत्र की कार्यवाही के लिए दो अलग-अलग टीमें बनाकर प्राप्त सूचना वाले स्थान पर वाहनों के गुजरने के पहले ही कुछ कुछ दूरी पर छुप कर वाहनो का रास्ता देख रहे थे। करीब ढ़ाई बजे के बीच चार बड़े हाइवा रेत भरकर निकलने लगे। टीम मौका देखकर वाहनों के सामने खड़ी हो गई। वाहन चालक हड़बड़ाहट में कुछ समझ पाते तब तक दल ने चतुराई से हाइवा रुकवा लिए और मोबाईल जब्त कर लिए। इसके बाद करीब 5 बजे सनावद-पुनासा मार्ग से एक हाइवा और डम्पर रेत का अवैध परिवहन करते खनिज अधिकारी ने जब्त कर सनावद थाने में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा करवाया।

वाहन चालकों ने बड़ी चतुराई से मालिकों को किया कॉल

खनिज अधिकारी श्री चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि, काटकूट क्षेत्र की कार्यवाही के दौरान सभी 4 हाइवा के वाहन चालकों से टीम ने मोबाईल जब्त कर लिए थे। लेकिन किसी एक वाहन चालक ने दूसरे मोबाईल से छुपकर वाहन मालिकों को सूचित कर दिया। कुछ ही देर बाद मालिकों में अधिकारी से वाहन छुड़ाने की पूरी कोशिश की लेकिन कामयाब नही हुए। सभी 4 हाइवा वाहन क्रमांक आरजे 02 जीबी 4121, आरजे 14 जीके 2258, एमपी 09 एचजे 3347 और एमपी 09 एचएच 6574 को बलवाड़ा थाने लाकर पुलिस अभिरक्षा में खड़े करवाये गए। इसी तरह सनावद-पुनासा मार्ग के वाहन क्रमांक एमपी 09 जीई 4655 और एमपी 10 एच् 0845 को सनावद थाने में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा किया गया। सभी 5 हाइवा और 1 डम्पर वाहनो पर मप्र खजिन (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव में सम्मिलित होने जिले का दल रवाना

माही की गूंज, बड़वानी।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव में सम्मिलित होने के लिए बड़वानी जिले का 6 सदस्यीय दल मोगली बाल उत्सव हेतु नियुक्त जिला नोडल व क्वीज मास्टर जगदीश गुजराती के नेतृत्व में रवाना हुआ। दल को क्षेत्र संयोजक जनजातीय कार्य विभाग बड़वानी सौरभ सिंह राठौड़ उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य आरएस जाधव के द्वारा रवाना किया गया। उल्लेखनीय है कि, जिला स्तरीय मोगली बाल उत्सव में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग से निवाली विकासखंड के चयनित छात्र सजल सोनी, छात्रा नंदिनी डावर, वही कनिष्ठ वर्ग से ठीकरी विकासखंड से चयनित छात्र अर्जुन, छात्रा गोरी का चयन राष्ट्रीय पेंच अभ्यारण सिवनी में होने वाले 18 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव में सम्मिलित होंगे। दल को रवाना करते समय उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक अनिल मिश्र, अजय यादव जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जगदीश वास्कले, अजय सेन उपस्थित थे।

संसद भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए रूचिका का हुआ चयन

माही की गूंज, खरगोन।

पीजी कॉलेज बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी रुचिका किशोर पाटीदार का चयन देश के संसद भवन में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती स्वर्गीय इन्दिरा गांधी व राष्ट्रीय नेताओं को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभागीता करने के लिए हुआ है। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार साथ समन्वय में लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, लोकसभा सचिवालय पर आयोजित किया जा रहा है।

प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने कहा कि, राष्ट्रीय नेताओं को उनके जन्म शताब्दी पर श्रद्धांजलि देने में हमारे देश के युवाओं की भागीदारी नेताओं के विचारों और अनुकरणीय उदाहरणों के बारे में बोलने का अवसर मिलेगा जिससे युवा वर्ग प्रेरित होगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश आवासे ने बताया कि, पूरे देश के चयनित युवाओं को संसद भवन के कक्षों के अध्ययन दौरे के लिए ले जाया जाएगा। संसद संग्रहालय, प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का भ्रमण कराया जायेगा। डॉ. सुनैना चौहन, डॉ. शैल जोशी, डॉ. ललित भटानिया, डॉ. डीएस बामनिया, डॉ. राजू देसाई, डॉ. बघेल, वरिष्ठ स्वयं सेवक सावन धनगर, संवेदना पंढाणे, श्रेया सेना, साक्षी, रानी आदि ने छात्रा के चयन पर शुभकामनाएं दी व हर्ष व्यक्त किया।

मोरम अवैध उत्खनन करते जेसीबी और ट्रेक्टर जप्त

माही की गूंज, खरगोन। गत दिवस मंडलेश्वर के ग्राम सोमाखेड़ी में खनिज अधिकारी सावन चौहान ने मुरुम के अवैध उत्खनन करते हुए 1 जेसीबी और 1 ट्रेक्टर पकड़ा है। खनिज अधिकारी ने बताया कि, सोमवार को मण्डलेश्वर के जामगेट के नीचे टोलबूथ के पास सोमाखेड़ी में अवैध खनन होने की सूचना प्राप्त हुई थी। करीब 4 बजे प्राप्त सूचना पर टीम को मोटरसायकिल से मौका स्थल पर भेजा ताकि अवैध उत्खनन कर्ता को पता न चले। मौका स्थल पर जैसे ही टीम 5:30 पहुँची। वहां एक जेसीबी मुरम का उत्खनन कर रही थी एक ट्रेक्टर भी वही भरने को खड़ा था। टीम ने दोनों को पकड़ा और खनिज अधिकारी को सूचना दी। खनिज अधिकारी ने मौका स्थल का मुआयना करने पर एक जेसीबी क्रमांक एमपी 68 डी 0114 और बिना नम्बर का एक ट्रेक्टर बिना किसी अनुमति के मुरम का अवैध उत्खनन करना पाया गया। दोनों वाहनों को थाना मंडलेश्वर की अभिरक्षा में खड़ा करवाया तथा मप्र खजिन (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

एक फोरम पर आने के लिए संयुक्त संगठन आवश्यक- जितेन्द्र विद्यार्थी

माही की गूंज, बड़वानी। जिला प्रशासन एवं जन अभियान परिषद के सहयोग से पीरामल फॉउण्डेशन द्वारा ''संयुक्त संगठन, सम्मेलन'' विषय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सहायक आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में जिले के एनजीओ के साथ एक साथ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य समस्याओं पर कार्य की गतिविधियों पर चर्चा की गई। प्रारंभ में छतरपुर जिला प्रमुख जितेन्द्र विद्यार्थी द्वारा संस्था की यात्रा के बारे में प्रतिभागियों से साझा किया। इसके साथ ही, जिले में संचालित एस्पीरेशनल डिस्ट्रीक्ट कॉलोब्रेटिव की संकल्पना को विस्तारपूर्वक बताया गया। शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में कार्य करने वाले सभी एन.जी.ओ. पार्टनर ने एक साथ मिलकर कार्य करने की सहमति जताई। कार्यशाला में समस्त एनजीओ के प्रतिनिधि सहित जन अभियान परिषद से ज्योति वर्मा, प्रियंका कौशिक सहित संस्था के सहभागी प्रोग्राम लीडर, गांधी फेलो उपस्थित थे।

खुद की निजी फाइनेंस कंपनी का बता कर की जा रही वसुली

मुह पर कपड़ा बांध कर रोक रहे वाहन, कहते है गाड़ी फाइनेंस की है गाड़ी खड़ी करो

माही की गूंज, रतलाम।

लोगो के साथ धोखाधड़ी करने वाले लोग रोज नए नए तरीके इज़्ज़ाद करते है और लोगो को अपना निशाना बनाते है। ऐसा ही एक मामला रतलाम से सटे कनेरी क्षेत्र में सामने आया, जहा दो अज्ञात युवक मुह पर रुमाल बांध कर मार्ग से गुजरने वाले दुपहिया वाहन जो कि दिखने में नए हो उन्हें रोक कर खुद को फाइनेंस कंपनी का बता कर वाहन की किश्ते बाकी होने से वाहन खड़ा करने की बात कर रहे है। ऐसा मामला पेटलावद क्षेत्र निवासी राजेश मालवीय के साथ हुआ जब रतलाम जाते समय दो अज्ञात लोगों ने वाहन के आगे आकर वाहन रोका और वाहन को फाइनेंस होना बता कर वाहन खड़ा करने को कहा गया।

सवाल पूछने और फ़ोटो खिंचने पर भाग खड़े हुए लोग।

राजेश मालवीय ने बताया कि, दोनों लोग अज्ञात थे और उनसे फाइनेंस कंपनी की आईडी मांगने और जानकारी लेने पर वाहन को कोई और समझ कर रोकने की बात कर रवाना हों गए। लेकिन जाते समय उनके वाहन का फ़ोटो खिंच लिया। दोनों लोगो के मुह पर कपड़ा बंधा होने के कारण इनको देख नही पाया। उक्त मार्ग पर पुलिस कॉलिनी बनी हुई है और दिन के सैकड़ों वाहन इस मार्ग से निकलते है। ऐसे में खुद को फाइनेंस कंपनी का बता कर वाहन बीच रोड पर लेने वाले ये अज्ञात लोग कौंन है, इसकी जानकारी पुलिस को होंनी चाहिए। कही ये लोग फाइनेंस के वाहन वालो से धोखाधड़ी कर वाहन खड़ा करने की धमकी देकर कोई वसुली का काम तो नही कर रहे है। इसकी जांच की होनी चाहिये कि आखिर ये लोग कौन सी कंपनी के लिए कार्य कर रहे है और सम्बंधित थाने पर इसकी जानकारी दे कर कार्य कर रहे या फाइनेंस की वसूली की आड़ में अवैध उगाही की जा रही है।

वाहन नम्बर एमपी 07 एमवी 5357 दुपहिया वाहन पर बैठ कर रोक रहे वाहन।

गौरव दिवस पर बिरसा मुंडा की जीवनी पर एक दिवसीय व्याख्यान का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय कन्या महाविद्यालय खरगोन में 15 नवम्बर भारतीय इतिहास और संस्कृति में आदिवासी समाज के नायक और स्वतंत्रता संग्राम सैनानी बिरसा मुण्डा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान भारतीय इतिहास और संस्कृति में जनजातीयों के विशेष योगदान को सम्मानित करने और आने वाली पीड़ियों को सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से जनजातीय गौरव दिवस पर बिरसा मुण्डा की जीवनी से संबंधित एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. एमके गोखले द्वारा बिरसा मुण्डा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। वहीं डॉ. पवन नामदेव ने बिरसा मुण्डा के जीवन पर प्रकाश डाला गया। डॉ. अनुराधा ठाकुर द्वारा बिरसा मुण्डा के जीवनी एवं शिक्षा से संबंधित मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की। डॉ. बीएल भाटे ने गौरव दिवस का महत्व के बारे में छात्राओं को अवगत करवाया गया। डॉ. आरके यादव ने जनजातीय आदिवासी, मूलनिवासी और जल, जंगल और जमीन के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। प्रो. प्रीति हाड़ा ने भी छात्राओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. गोखले ने संबोधित करते हुए बिरसा मुण्डा के जीवन परिचय के बारे में विस्तृत जानाकरी से छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता गोयल ने एवं आभार डॉ. सेवंती डावर द्वारा किया गया।

बिरसा मुंडा जयंती पर मनाया जनजातीय गौरव दिवस

माही की गूंज, बड़वानी।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है और यह सभी जनजातीय भाइयों के लिए गौरव की बात है। इस दिवस के अवसर पर हमारे प्रदेश में पैसा एक्ट अधिनियम भी लागू हो जाएगा अब ग्राम पंचायतों में जो भी कार्य होंगे वह ग्राम सभा की मंजूरी से ही संपन्न होंगे। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने मंगलवार को शहीद भीमा नायक महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उक्त बातें कही।

इस दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ने प्रदेश की सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के लोगों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। साथ ही जनजाति भाइयों से आव्हान किया कि वे लोग शासन की योजनाओं का लाभ उठाये। कन्या पूजन के साथ हुई कार्यक्रम की शुरुआत जनजातीय गौरव दिवस पर शहीद भीमा नायक महाविद्यालय के प्रांगण में विकासखंड बड़वानी एवं पाटी के संयुक्त कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन एवं भगवान बिरसा मुंडा की फोटो का पूजन कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल ने की। मध्य प्रदेश गान का हुआ गायन जनजाति गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रेम सिंह पटेल एवं कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा पंचायत अध्यक्ष बलवंत सिंह पटेल ने उपस्थित अतिथियों तथा जन समुदाय के साथ खड़े होकर मध्य प्रदेश गान का गायन भी किया। मध्यप्रदेश गान का गायन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी की छात्राओं ने किया। लोक नृत्य एवं लोक गीत की हुई प्रस्तुति कार्यक्रम के दौरान एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बड़वानी की छात्राओं ने मनमोहक लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बड़वानी के विद्यार्थियों ने निमाड़ी लोकगीत म्हारो प्यारो निमाड़ की प्रस्तुति भी दी। राष्ट्रपति जी के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण जनजातीय गौरव दिवस पर शहडोल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी विशाल एलईडी के माध्यम से देखा गया।

शहडोल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने भी वेबकास्ट के माध्यम से संबोधित किया। यह थे उपस्थित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सदस्य बरमा सोलंकी ,जनपद पाटी के अध्यक्ष थानसिंग सस्ते, बड़वानी के जनपद अध्यक्ष श्रीमती भुन्टी बाई पटेल, पाटी जनपद के उपाध्यक्ष रणजीत वास्कले, बड़वानी जनपद की उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोयल, पाटी और बड़वानी जनपद के समस्त सदस्य गण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विकासखंड बड़वानी एवं पाटी के ग्रामीण जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राजश्री पवार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पाटी तथा अनिल जोशी उच्च माध्यमिक शिक्षक बड़वानी द्वारा किया गया।

रिटायरमेंट के पहले सीएमओ होगी कार्रवाई या मुख्यमंत्री के आदेश पर होगी लीपापोती

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट माही

वर्तमान में पदस्थ सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा तलेन में विवाह सहायता राशि योजना, कर्मकार मंडल एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार करके अब अकोदिया में अपने रिटायरमेंट का रास्ता देख रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आदेश है कि, शासकीय कार्य में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार करने वाले कर्मचारियों अधिकारियों को नहीं छोड़ा जाएगा। परंतु नगर परिषद सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा पर कार्रवाई करने में अपना ढीला रवैया अपना रहे हैं। जिससे कि रमेश चंद्र वर्मा जल्दी रिटायरमेंट हो जाए एवं कार्रवाई से बच जाए। वर्तमान सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा ने अकोदिया में भी भ्रष्टाचार का अपना परचम लहराया है, उनके भ्रष्टाचार की गिनती की जाए तो वह बढ़ती ही जा रही है।

बीपीएल भ्रष्टाचार

बीपीएल भ्रष्टाचार में उन्होंने अकोदिया नगर परिषद में पदस्थ कर्मचारी समंदर सिंह चौहान से सांठ-गांठ कर सरकारी कर्मचारी के इलाज हेतु बीपीएल बनाया जो समंदर सिंह चौहान के सगे भाई थे। आम जनता बीपीएल को बनवाने में महीनों लग जाते हैं। वहीं कागजों की हेरा-फेरी कर जल्दी बनवा कर अपना पद का दुरुपयोग किया। बाद में प्रकरण बी121 में दर्ज होकर शपथ पत्र पर अपना गुनाह कबूल किया। जिसके बाद सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा असचयवेतन वृद्धि कार्रवाई की गई एवं भविष्य के लिए चेतावनी दी गई कि, ऐसा भ्रष्टाचार भविष्य में ना हो।

आवास योजना में भ्रष्टाचार

सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा आवास योजना में भी भ्रष्टाचार किया गया। सगे संबंधी को लाभ की प्रथा ऐसे ही सुचारु रुप से वर्तमान में भी चालू रही है। समंदर सिंह के सगे भाई के बीपीएल के बाद उनके पुत्र को आवास में लाभ दिया। भ्रष्टाचार की हद जब हो गई,

जब एक ही स्वामित्व प्रमाण पत्र पर 2 आवास आवंटित किए गए। कलेक्टर शाजापुर को शिकायत के माध्यम से संज्ञान में दिया गया। परंतु आज दिनांक तक कोई कार्यवाही से आवेदक को अवगत नहीं कराया गया।

शासकीय कर्मचारी को आवास

सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा अपने ही कार्यालय में पदस्थ एलडीसी-3 कर्मचारी को आवास मिला दिया गया। लाभ उपरांत आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगने पर पूर्णता नोट सीट खाली पाई गई एवं आज दिनांक तक कर्मचारी द्वारा उस स्थान पर आवास नहीं बनाया गया।

अंधा बांटे रेवड़ी अपने अपने को दे

सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा उक्त कहावत को भी बखूबी सही साबित करके दिखाया गया। अपनी बेटी को अकोदिया नगर परिषद में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत एवं बेटे को बोड़ा नगर परिषद में कार्यरत

उनके रिटायरमेंट के पहले अपने परिवार एवं सगे संबंधी को नौकरी पर लगाने की उनकी इच्छा पूर्ण हुई। प्रदेश के विद्यार्थी जब पहली क्लास से लेकर कॉलेज की पढ़ाई संपन्न करने के बाद वह फाइलों में नौकरी के लिए अपनी डिग्री लेकर घूमते हैं, परंतु नौकरी नहीं मिलती। यह मामला भी उच्च अधिकारियों को संज्ञान में आना चाहिए।

मुख्यमंत्री महोदय का आदेश है जब भी कोई खबर लगती हो, तो उसका विभाग खंडन करें एवं भ्रष्टाचार साबित होने पर कार्यवाही करें। क्या अकोदिया नगर परिषद में पदस्थ सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा पर रिटायरमेंट के पहले कार्रवाई होगी...? क्या मध्य प्रदेश शासन को मिलेगा न्याय...? क्या तलेन में विवाह सहायता राशि, घोटालेबाज पर कार्रवाई होकर तलेन की बहनों को न्याय मिल पाएगा...?

भारत जोड़ो यात्रा हेतु प्रचार-प्रसार पर निकले भूरिया का किया भव्य स्वागत

माही की गूंज, आम्बुआ।

आगामी दिनों में भारत जोड़ो यात्रा के इंदौर आने के पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ताओं को यात्रा में जुड़ने हेतु प्रेरित करने हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में 14 नवंबर को जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष दीपक भूरिया जिन्होंने विगत दिनों कट्ठीवाड़ा से प्रचार-प्रसार प्रारंभ कर पैदल यात्रा कर रहे हैं का आम्बुआ आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल मांदल के साथ स्वागत किया गया।

आम्बुआ में प्रवेश के समय विधानसभा क्षेत्र जोबट के भारत जोड़ो यात्रा के सह समन्वयक महेंद्र सिंह रावत तथा सरपंच रमेश रावत ने स्वागत किया। इसके बाद जोबट तिराहे पर पहुंचने पर श्री भूरिया ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म जयंती के उपलक्ष में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद आम्बुआ कस्बे से घूमते हुए बोरझाड़ गए, जहां पर यात्रा का विश्राम समय है। उक्त आयोजन में डॉ. राजेंद्रसिंह राठौर, अमान पठान, कमलसिंह कनेश, गोपाल चौहान , शाहिद कुरेशी, शकील कुरेशी, सारिक खान, सिराज खान, कन्हैयालाल गोयल, रूमसिंह भूरिया, रमेश बघेल, सिमोन देवका तथा अडवाड़ा, झौरा, आगौनी, हरदासपुर, इंदरसिंह की चौकी, बड़ा उण्डवा, हीरापुर, सेवड़, मोटाउमर, इटारा, टेमाची, वड़ी, भोरदू, कोटबू, खण्डाला आदि ग्रामों के सैकड़ों ग्रामीण कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

खुलासा: आरोपी फरियादी ही निकला पिता का हत्यारा

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला मुख्यालय से 13 किमी दूर कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम कांकडी में किसान की हत्या के मामले में पुलिस ने 24 घंटे में ही सनसनी खेज अंधे कत्ल का पर्दाफाश कर हत्या के दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया है।पुलिस कन्ट्रोल रूम पर एसपी जगदीश डावर व एएसपी टीएस बघेल ने हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि, ग्राम कांकड़ी मे दरबार सिंह नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुची घटना स्थल को सुरक्षित किया एवं एफएसएल टीम डाग स्कावड टीम द्वारा घटना स्थल पर उपस्थित होकर मौके का निरीक्षण किया। घटना स्थल निरीक्षण के दौरान मृतक का शव मृतक के खेत के पास ही खटीया पर मिला तथा जहा खुन लगे कपडे, बिस्तर आदी मिले। बाद मौके पर कायमी का असल अपराध कमांक 561 / 22 धारा 302 भादवि की विवेचना शुरू की गई।

एसपी श्री डावर ने बताया कि, विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने परिजनों से व गांव वालो से पुछताछ कर घटना के संबंध में बारिकी से जानकारी ली गई। पूछताछ एवं विवेचना में आये तथ्यों के आधार पर मृतक के पुत्र एवं उसकी पत्नि पर ही शंका जाहिर की गई। मृतक के लड़के लोकेन्द्र एवं मृतक की पत्नि सावित्रि उर्फ काली बाई से गंभीरता से पुछताछ एवं घटना के संबंध में जानकारी ली गई।

पुछताछ के दौरान दोनो ने बताया कि, उनके द्वारा ही मृतक दरबार सिंह राजपुत की मारपीट कर हत्या की गई है। तथा अपराध जुर्म स्वीकार किया गया। आरोपी लोकेन्द्र द्वारा बताया गया की उसके पिताजी उसकी पहली मां की मृत्यु होने के बाद से ही उनकी दुसरी पत्नि सावित्रि बाई उर्फ काली बाई और पुत्र लोकेन्द्र पर शंका करते थे। और आए दिन लोकेन्द्र व दुसरी पत्नि सावित्रि बाई से गालीगलोच कर मारपीट करते थे जिस कारण पिता से प्रताडित होकर लोकेन्द्र व सावित्रि ने मिलकर दरबार सिंह की हत्या को अंजाम दिया विवेचना के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

उत्साह और हर्षोल्लास से मनाई गई बिरसा मुण्डा जयंती

रैली का हुआ आयोजन, स्कूली विद्यार्थियों ने लोक नृत्यों की दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

माही की गूंज, अलीराजपुर।

बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के तहत जिलेभर में कायर्क्रमों का आयोजन हुआ। जिला स्तरीय कायर्क्रम खेल परिसर अलीराजपुर में आयोजित हुआ। कॉलेज मैदान अलीराजपुर से रैली का आयोजन हुआ। रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनिता चौहान, विधायक मुकेश पटेल, सांसद प्रतिनिधि नागरसिंह चौहान, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, एसपी मनोज कुमार सिंह, जिला पंचायत मुख्य कायर्पालन अधिकारी अभिषेक चौहान, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेएस डामोर सहित बडी संख्या में अधिकारी-कमर्चारीगण, युवा स्कूली विद्यार्थी आदि सम्मिलित हुए। रैली के टंट्या मामा प्रतिमा स्थल पर पहुंचने पर गणमान्यजन ने पुष्पमाला अपिर्त कर श्रृद्धासुमन अर्पित किए। उक्त रैली अस्पताल रोड दाहोद नाका टॉकीज चैराहा होते हुए खेल परिसर पहुंची। रैली में पारंपरिक वैशभूषा धारण करते हुए बडी संख्या में विद्यार्थी एवं अधिकारी-कमर्चारीगण सम्मिलित हुए। पूरे उत्साह के साथ मांदल और डीजे की धूम पर नृत्य करते हुए युवा रैली में निकले। खेल परिसर अलीराजपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चौहान, सांसद प्रतिनिधि चौहान, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सिंह, पुलिस अधीक्षक सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा टंटिया मामा एवं भारत माता के चित्र का पूजन दीप प्रज्जवलन व पुष्पमाला अपिर्त करते हुए कायर्क्रम का शुभारंभ किया।

कायर्क्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चौहान ने उपस्थित स्कूली बच्चों से आह्वान किया कि, वे बेहतर शिक्षण प्राप्त करते हुए परिवारए जिले और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने नशा मुक्त जीवन का संकल्प लेकर आगे बढने का आह्वान किया। कायर्क्रम में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने लोक संस्कृति नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कायर्क्रम में प्रदेश स्तरीय कायर्क्रम का लाइव टेलीकॉस्ट माध्यम से सुना और देखा गया। कायर्क्रम के समापन अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को साइकिल का वितरण किया गया।

प्राथमिक विद्यालय में स्कूल व ड्रेस कोड का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, कालापीपल।

ग्राम भरदी 14 नवंबर के उपलक्ष में आनंदपाल उत्सव का आयोजन किया। जिसमे मुख्य अतिथि विधायक कुणाल चौधरी विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य, भोजराज पंवार, केंद्र जिला शिक्षा केंद्र राजेंद्र शिप्रे, विकास खंड शिक्षा अधिकारी तुलसीराम राठिया, बीआर सीसी अशोक उपलावदिया, बीएसी, सीएसी व अन्य उपस्थित रहे। प्राथमिक विद्यालय भरदी को बैगलेस किया, साथ ही साथ नए नवाचार भी किए जा रहे हैं। जिसमें बच्चों के बस्ते के बोझ कम करने के साथ ही शिक्षक ड्रेस कोड की शुरुआत की गई। साथ ही राज्य शिक्षा केन्द्र से भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया व बच्चों उनकी माताओं तथा शिक्षिकाओं से भी सीधे बात की गई। मिशन अंकुर से बालचन्द कारपेंटर व रश्मि मिश्रा ने राज्य शिक्षा केन्द्र से सीधे प्रसारण में सहयोग प्रदान किया। साथ ही मातृ सम्मेलन में माताओ व उनके बच्चों ने मिलकर रंगोली प्रतियोगिता वह चित्रकला प्रतियोगिता मे भाग लिया। इस प्रकार मां, बेटी, बेटे को प्रमाण पत्र व बच्चों का आईडी कार्ड वितरित किए।

दाऊदी बोहरा स्काउट ने सूरत में बिखेरी क्षेत्रीय छटा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु जहां-जहां दाऊदी बौहरा जमात के लोग हैं वहां-वहां जमात के धर्मगुरु सैयदना बुरहानुद्दीन मौला की 112 वी मिलाद तथा सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहेब की 79 वी सालगिरह मनाई गई। जिसमें आम्बुआ दाऊदी बोहरा जमात के स्काउट बैंड ने सूरत (गुजरात) जाकर वहां पर स्काउट बैंड का प्रदर्शन अलीराजपुर जिले की पारंपरिक वेशभूषा (आदिवासी परिधान) तथा तीर कमान से लैश होकर किया। जिसकी देखने वालों ने सराहना की स्काउट बैंड का नेतृत्व युसूफ हुसैनी भाई ने किया। जिसमें 22 स्काउट सदस्य शामिल हुए थे। जहां पर सभी ने अपने धर्मगुरु के दीदार किए। आम्बुआ के अतिरिक्त आसपास के हजारों समाज जन सूरत पहुंचे।

भारत जोड़ो यात्रा की उपयात्रा का हुआ भव्य स्वागत

जिला समन्वयक एवं विधायक पटेल ने किया नेतृत्व

माही की गूंज, आम्बुआ।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के मध्यप्रदेश के इंदौर आगमन पर सम्मिलित होने वाली उप यात्राओं का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसी कड़ी में बुधवार 16 नवंबर को अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल तथा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश पटेल के नेतृत्व में एक विशाल उप यात्रा अलीराजपुर से प्रारंभ होकर आम्बुआ में समाप्त हुई। यात्रा का आम्बुआ प्रवेश पर भव्य स्वागत किया गया। आम्बुआ पंचायत प्रांगण में जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौर, युवक कांग्रेस के तरुण मंडलोई, महेंद्र सिंह रावत, अमान पठान, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सेना पटेल, सानी मकरानी तथा जिला प्रभारी हेमंत भाई आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में दीपक भूरिया, सरपंच रमेश रावत, मुस्तू बोहरा, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, लाईक खान, सोनू वर्मा, विजय सिंह रावत, सिराज खान, सारिक खान , थानसिंह भयडिया तथा कोटबू, खण्डाला, वड़ी,कुण्ड, भोरदू, अगौनी, इटारा, टेमाची, आंबी, हरदासपुर आदि ग्रामों के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यात्रा आम्बुआ से 17 नवंबर जोबट की ओर प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम का संचालन ओम राठौर ने किया व आभार हासिम अली बोहरा ने माना।

पाइप के अभाव में हैंडपंप बंद होने से हो रही परेशानी

मैकेनिक को नहीं मिल रहे सहयोग करने वाले

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कई हेडपंप लंबे समय से बंद पड़े हैं। किसी में जल स्तर नीचे चला गया है तो कई के पाइप सड़ कर खराब हो चुके हैं। विभाग को पाइप जमा कराने के बाद पाइप देने की बात कही जा रही है। मगर पाइप अकेले हैंडपंप मैकेनिक कैसे निकाले...? उसे सहयोग करने वाले नहीं मिल रहे हैं विभाग की ओर से भी मजदूरों की व्यवस्था नहीं होती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वर्ष से भी अधिक समय से कई हेडपंप विभिन्न कारणों से बंद हो चुके हैं जिस कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ रही है। जिसके घरों में ट्यूबेल है वे तो जल व्यवस्था कर लेते हैं मगर अन्य क्या करें...? कस्बे में तो एक दिन छोड़कर नलों से जल प्रदाय हो जाता है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में तो परेशानी बनी हुई है। आम्बुआ कस्बे से बाहर जोबट तिराहे पर एक वर्ष से भी अधिक समय से हैंडपंप बंद पड़ा है। शासन की जल जीवन मिशन योजना के तहत ठेकेदार द्वारा पाइप लाइन बिछाने हेतु खोदी गई नाली के समय जेसीबी से यह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे ठीक नहीं कराया गया।

स्मरण रहे कि, इस तरह से सैकड़ों छोटे-बड़े भारवाहक तथा यात्री वाहन गुजरते हैं। समीप यात्री प्रतीक्षालय होने से यात्री यहां रुकते हैं। तिराहे के आस-पास लगभग एक दर्जन से अधिक दुकानें हैं जिन्हें पानी की जरूरत पड़ती है। इसके बावजूद भी हैंडपंप का ठीक नहीं होना विभागीय उदासीनता कही जा सकती है। कस्बे में कई हैंडपंप बंद पड़े है जिन्हें ठीक किया जाना जरूरी है।

हैंड पंप मैकेनिक का कहना है कि, विभाग को पाइप भेजे जाने के बाद दूसरे पाइप कितने लगेंगे उसके हिसाब से पाइप दिए जाएंगे। पुराने पाइप निकालने हेतु मैकेनिक को न तो विभाग की ओर से मजदूर मिल रहे हैं और न ही स्थानीय कोई सहयोगी मिल रहा हैं। जिस कारण वह चाहते हुए भी पाइप नहीं निकाल पा रहा है। सरपंच रमेश रावत ने पिछले सप्ताह विभागीय अधिकारियों से इस बाबत चर्चा की गई थी तो उन्हें भी बताया गया कि, पुराने पाइप निकाल कर सूची बनाकर भेजें ताकि पाइप दिए जा सके। अब तक यह कार्य मैकेनिक, सहयोगी, मजदूरों तथा पंचायत प्रशासन एवं पीएचई विभाग के बीच झूल रहा है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। जोबट तिराहे के दुकानदार शकील कुरेशी, वसीम बलोच, कालूसिंह भयडिया, मजीद खान, बबलू रावत, माधुसिंह पटेल, शाहबाज, सहाबुद्दीन, अमित भूरिया, साहिल मकरानी, शिवा डावर आदि ने बताया कि, यहां वर्ष भर से हैडपंप बंद है।

आम्बुआ सरपंच रमेश रावत का कहना है कि, मैंने पी.एच.ई विभाग से दूरभाष पर चर्चा की थी पाइप आने पर हैंडपंप में डाले जाएंगे।

वहीं हसन अली हैडपंप मेकेनिक ने बताया कि, मैं तो काम करने को तैयार हूं। पुराने पाइप निकालना है। मैं अकेला क्या करूं कोई सहयोग नहीं कर रहा है।

धन्यवाद उन मृतकों का जिन्होने फिर एक बार गहरी नींद में सोकर प्रशासन को कुंभकर्णी नींद से जगाया...

जब-जब लोगों ने अपनी जान को गवाया, तब-तब ही प्रशासन हरकत में आया

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। धन्यवाद और श्रद्धांजलि उन मृतकों को जिन्होने एक बार फिर अपनी जान गवाकर कुंभकर्णी नींद में सोए प्रशासन को जगा दिया। ऐसा नहीं है कि ऐसा पहली बार हुआ है, लेकिन यह सच है कि, जब-जब लोगों ने अपनी जान गवाई है उसके बाद ही प्रशासन हरकत में आया है और कुंभकर्णी नींद से जागकर समस्या के समाधान तक पहुंचा है। अब प्रशासन का इस तरह से एक दम हरकत में आना कितनी हकीकत है और कितना फसाना यह तो वह ही जाने। मगर इन सब के बीच जो सच सामने आता है वह यह है कि, आज के समय में गरीब की जान इतनी सस्ती हो चुकी है कि, जब तक कोई अपनी जान नहीं गवाता लोगों को सरकार और प्रशासनिक तंत्र की तरफ से कोई सुविधाएं नहीं मिलती।

बीते दिनों मेघनगर-मांडली मार्ग पर एक सड़क हादसे में 3 लोगों ने अपनी जान ऐसे ही गवा दी। हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों के हंगामें के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया और 11 नवम्बर को हुई दुर्घटना का मौका मुआयना करने 15 नवम्बर को पहुंचा। ऐसा नहीं है कि, यह सड़क पहले बहुत अच्छी थी। जिस मार्ग पर यह बड़ी दुर्घटना घटी है वह मार्ग बरसों से अपनी दुदर्शा पर आंसू बहा रहा था। मगर इस सड़क की सुध लेने वाला बरसों से कोई नहीं नजर आया। जब-जब मार्ग के खराब होने की शिकायतें तंत्र तक पहुंचती तब-तब खाना पुर्ति करते हुए इसे मिट्टी या मोर्रम से पाट दिया जाता। हर साल बारिश के मौसम में मार्ग की साइड पट्टियों को भरने की मांग हमेशा से ही बनी रहती है। बारिश के दिनों में इस मार्ग पर अक्सर दुर्घटना का भय बना रहता है। मगर प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। जब हालत ज्यादा बिगड़ जाते या शिकायतों के जरिए प्रशासन पर दबाव बनता तो बहुत ही निम्न स्तर का कार्य कर खाना पुर्ति करने के साथ ही इतिश्री कर ली जाती। मगर समस्या के ठोस निराकरण की ओर प्रशासन द्वारा कभी ध्यान ही नहीं दिया जाता। बरसों से यह सिंगल पट्टी रोड यात्रियों के लिए जान जोखिम में डालने वाला बना हुआ है। जबकि यह मार्ग सीधे तौर पर पड़ोसी राज्य गुजरात को जिले से जोड़ता है। इसी मार्ग पर कई माईंस की खदान भी है जहां से बड़े-बड़े डम्पर खदानों से निकलने वाले खनिज पदार्थों का परिवहन करते है। भारी-भरकम ओव्हर लोड वाहनों के कारण इस मार्ग पर इतना दबाव होने के बावजूद यह सिंगल पट्टी रोड ही बना हुआ है। 11 नवम्बर को हुई दुर्घटना भी इसी तरह के भारी और ओव्हर लोड डम्पर से हुई। सिंगल पट्टी रोड पर चल रहे इस तरह के भारी वाहनों और वाहन चालकों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीण जनता को अपनी जान गवाकर चुकाना पड़ रहा है। मगर समस्या का समाधान अब भी कोसो दूर दिखाई पड़ रहा है।

11 नवम्बर को हुई दुर्घटना और उसमें गई तीन जानों के बाद 15 नवम्बर को जिला प्रशासन दुर्घटना स्थल का मौका मुआयना करने पहुंचा। मुआयना करने पहुंचे अमले में खुद कलेक्टर रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक अगम जैन सहित कई प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। दुर्घटना स्थल के मौका मुआयने करते हुए कलेक्टर और एसपी ने आवश्यक निर्देश दिए। सड़क के किनारे लगे बोर्ड हटवाकर साइड से लगवाने को कहा गया। मार्ग के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बनाने के निर्देश भी दिए गए। फिलहाल काम शुरू हो चुका है, लेकिन क्या वाकई में यह समस्या का समाधान है। अगर इससे समस्या का समाधान होता है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर यह समस्या का समाधान नहीं है तो फिर यह जिला प्रशासन का ढकोसला ही माना जाएगा। क्योंकि घटना तो हो चुकी और जाने भी जा चुकी। अब केवल उसी जगह पर स्पीड ब्रेकर बनवाना क्या पूरे रास्ते को सुरक्षित कर देगा या घटना स्थल के आसपास लगे बोर्डों को हटवा लेने मात्र से भविष्य में कोई दुर्घटना नहीं होगी...? जबकि यह पूरा मार्ग ही सिंगल पट्टी होकर बदहाल स्थिति में है। जिला प्रशासन की यह मुस्तैदी खुलेआम उसकी काम चोरी को उजागर कर रही है। गुजरात-राजस्थान राज्यों को जोडने वाला यह मार्ग लगभग सिंगल पट्टी में सकरा ही बना हुआ है। दो राज्यों की सीमा लगने के कारण यहां वाहनों का दबाव भी ज्यादा होता है या यूं कहें कि, अवैध वाहनों का दबाव अधिक होता है। इस मार्ग पर किसी तरह की कोई चेकपोस्ट नही है। इसीलिए अवैध धंधेबाज अक्सर इसी मार्ग पर अपनी रफ्तार का जादू दिखाते है। इसी मार्ग पर तीन खदानें होने से ओव्हर लोड भारी वाहन दिन भर इस मार्ग का सत्यानाश करते दिखाई पड़ते है और इनकी रफ्तार का तो क्या ही कहना। इसके अलावा रतलाम से गुजरात की ओर जाने वाले सब्जी से भरे वाहन भी इसी शॉर्टकट का सहारा लेते नजर आते है। मंडी टच करने के चक्कर में इन वाहनों की रफ्तार भी बहुत अधिक होती है। हर तरह के अवैध परिवहन के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल माफिया धड़ल्ले से करते है। कारण यह है कि, इस मार्ग पर किसी तरह की चेकपोस्ट नही है और आसानी से राज्य की सीमा से निकलकर गुजरात राज्य में प्रवेश हो जाते है। खनिज माफिया और शराब माफिया धड़ल्ले से इस मार्ग का उपयोग अपने अवैध धंधों के लिए करते है। मध्यप्रदेश के पलवाड़ क्षेत्र के रहवासियों के लिए यह एक मात्र मुख्य मार्ग है। इसके अलावा क्षेत्र का प्रसिद्ध तीर्थ पीपलखूंटा भी इसी मार्ग पर होने से श्रद्धालुओं के यातायात का दबाव भी लगातार बना रहता है। अगर वाकई में जिला प्रशासन इस मार्ग पर रहने वाले ग्रामीण रहवासियों के लिए कुछ करना चाहता है तो इन सारे मुद्दों को सामने रखकर काम करना होगा। वरना जिला प्रशासन का उठाया गया हर कदम ढकोसला ही साबित होगा। जब तक इस मार्ग पर चलने वाले ओव्हरलोड और भारी वाहनों पर कार्रवाई नहीं होगी तब तक लोग यूं ही अपनी जान गवाते रहेंगे। इसके अलावा इस मार्ग पर एक बड़ी चेकपोस्ट की भी आवश्यकता है जो अवैध परिवहन और वाहनों की रफ्तार पर रोक लगा सके। इस मार्ग का चौड़ीकरण होना बहुत ही जरूरी है। जबकि इस मार्ग पर रहने वाले गांवों की आबादी अब पहले से कई गुना अधिक है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि, इस मार्ग की दशा शायद ही कभी बदले, क्योंकि इस मार्ग का पूरा उपयोग माफिया ही करते है और माफियाओं तथा प्रशासनिक अमले में गजब का गठजोड़ है। इस गठजोड़ में पुलिस अहम भूमिका में है और यही कारण है कि, माफिया इस मार्ग पर बैखोफ होकर अपने वाहन दौड़ाते है। शराब माफिया हो या खनिज माफिया दोनों ही अपनी अकूत कमाई का हिस्सा गठजोड़ वाले प्रशासनिक अमले तक पहुंचाते है। इसी के चलते इस मार्ग की दशा कभी बदल नहीं सकती। स्थानीय लोगों की यह बात पुलिस अधीक्षक पर भी कई सवाल खड़े करती नजर आ रही है। जो सख्स जिले में पदस्थापना के बाद गांवों की खाक सिर्फ इसलिए छान रहा है कि, लोग नशे को छोड़ दें और दूसरी ओर उनके विभाग की जनता के मुंह निकलने वाली आलोचना और आरोप हकीकत को जमीन से कोसो दूर दर्शा रही है। लोगों को नशे से मुक्त करवाना अच्छी बात है, लेकिन यह काम पुलिस अधीक्षक का तो नहीं है। अच्छा होगा पुलिस कप्तान अपने महकमें पर ज्यादा ध्यान दें। चूंकि कुछ हद तक समस्या का समाधान आपके भी पास है। अवैध परीवहन को रोकना पुलिस महकमे की जिम्मेदारी है, अगर इसे पूर्ण रूप से अंजाम दिया गया तो कई लोगों की जाने बच सकती है। हालांकि जिला प्रशासन तो तभी जागता जब लोग अपनी जान से हाथ धो बैठते है। इसके ताजा दो उदाहरण जिले में सबके सामने है। जिला मुख्यालय पर हुई हृदय विदारक घटना के बाद प्रशासन का ढकोसला देखने को मिला और अब इसी तरह मेघनगर-मांडली मार्ग पर जिला प्रशासन इतिश्री करने पहुंच गया। कलेक्टर और जिले का प्रशासनिक अमला ढकोसले करना बंद कर असल हकीकत को जाने और लक्ष्य बनाकर उस पर कार्य करे तो ही जिले की जनता का भला हो सकता है। वरना यह तो पक्का हो ही गया है कि, जब-जब लोगों ने अपनी जान को गवाया है, तब-तब ही प्रशासन हरकत में आया है।

मोबाईल से भटकता विद्यार्थी जीवन...?

आखिर ये कैसा इश्क जो सारी सामाजिक सभ्यता को कर रहा तार-तार

माही की गूंज, खवासा।

मोबाइल आज के समय में एक आवश्यक एवं उपयोगी साधन बन गया है, लेकिन इसका सही उपयोग करे तो अपने हाथों में ही दुनिया को मुट्ठी में व्यक्ति कर सकता है। यानी कि मोबाइल में हर क्षेत्र की काम की चीजें व्यक्ति गूगल के माध्यम से सर्च कर सारे अनुभव व ज्ञान की चीजें अर्जित कर सकता है।

वहीं दूसरी ओर यह मोबाइल सुविधा जितने काम का है उतना ही दुष्परिणाम भी लाता है। अगर इसका गलत साइडो पर जाकर या किसी गलत कार्य के लिए इसका उपयोग किया जाता है तो यह मोबाइल सबसे बड़ा घातक भी साबित होता है, इसके कई दुष्परिणाम सामने देखे भी जा चुके हैं।

खासकर कम उम्र में बच्चों को मोबाइल देना दुष्परिणाम का संकेत माना जाता था परंतु कोरोना काल ने उन परिवार को भी बच्चों को स्कूली शिक्षा के दौरान मोबाइल नहीं देने के लिए संकल्पित थे, उन्हें भी ऑनलाइन शिक्षा पद्धति के साथ बच्चों को मोबाइल लाकर देने पर मजबूर होना पड़ा। जिसके कई घातक परिणाम एक के बाद एक दिखाई देकर मोबाइल से विद्यार्थी जीवन भटकता जा रहा है। और मोबाइल का दुरुपयोग कर अपनी कम उम्र या किशोरावस्था में आते -आते ही छात्र-छात्रा पढ़ाई के नाम पर दोस्ती करते है और फिर मोबाइल के माध्यम से बातें कर-कर के व सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के साथ कुछ समय में ही इसे प्यार का रूप देकर, ऐसे विद्यार्थी सारी मर्यादा लांग अपने भविष्य को भी बर्बादी की ओर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

ऐसे कुछ उदाहरण खवासा व क्षेत्र में हाल ही में हुए कुछ वाक्यो को ही देखे तो चिन्तन का विषय है। एक 12 वीं की छात्रा जिसकी दोस्ती उसके ही समाज के ही लड़के से होती है और इस दोस्ती को प्यार का नाम दे दिया। तथा जिस दिन लड़की की मम्मी जो कि एक शिक्षक है व भाई घर पर नहीं होकर कहीं यात्रा पर गए थे कि, रात्रि में अपने स्कूली दोस्त को मोबाइल पर घर बुलाया। देर रात्रि में मोहल्ले से बाहर का लड़का घर में अकेली लड़की होने पर घर के अंदर लड़के को जाते देख रात्रि में मोहल्ले के किसी व्यक्ति के देखने पर मोहल्ले के सभी व्यक्तियों को उठाया और बाहर से दरवाजा बन्द कर दिया। कूशंका होने पर लड़की के परिवार के साथ पुलिस को भी सूचना दी उसके बाद परिवार एवं पुलिस के आने के बाद बाहर से दरवाजा खोला तो अकेली लड़की के साथ गांव का ही समाज का लड़का बाहर निकला और दो दिन चौकी में रख गोलमोल मामले को दर्ज कर मामले को रफा-दफा किया। वही लड़की की मां उर्फ शिक्षिका अपनी लड़की को यहां से ले जाकर अन्य गांव में शिफ्ट कर दिया।

दो सगी नाबालिक बहने, शादी-शुदा दो युवकों के प्रेम जाल में फसी

इसी कड़ी में खवासा शासकीय स्कूल की दो छात्रा जो की सगी बहनें होकर बड़ी बहन 12 वीं पास है जिसके 18 वर्ष होने में कुछ माह घट रहे हैं तो वहीं दूसरी बहन 10 वीं की छात्रा आयु करीब 14 वर्ष दोनों बहने स्थानीय दो युवक जो की वाहन चालक होकर शादीशुदा है। बड़ी बहन, एक लड़की के पिता से संपर्क में रही तो छोटी बहन दो लड़कों के पिता से संपर्क में रही । इन दोनों की दोस्ती का मेल-मिलाप किसी भी स्थिति में मेल नहीं खाता, परंतु मोबाइल से संपर्क में आने के साथ दोनों लड़कियां भी अपने प्रेम में ऐसी पागल हुई कि दोनों प्रेमी के साथ मिलने के लिए घर से झूठ बोलकर निकलती और साथ में समय बिताकर मोबाइल से खींचे हुए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करते जो चर्चा का विषय रहा है। वही बड़ी लड़की व एक पुत्री का पिता दीपावली पूर्व घर से अपने प्रेम को परवान चढ़ाने हेतु भाग निकले। लड़की परिवार ने नाबालिक लड़की को भगा ले जाने व पास्को एक्ट में मामला दर्ज कर गुजरात से दोनों को पकड़ पुलिस चौकी पर लेकर आए। वही लड़की के परिवार ने लड़की से दो दिन तक थाने पर बिठाई रखने के बाद धारा 376 का भी मामला दर्ज हुआ।

झोलाछाप गोतम का पुत्र सुमन व प्रेमीका ने भरे चौराहे पर अपने प्रेमी होने का दावा कर सरे बाजार समाज को कलंकीत करने का किया कृत्य।

घर से झुठ बोल-बोलकर नाबालिक स्कुली छात्रा अपने प्रेमी एक लडकी के पिता से मिलने जाती और इस तरह से फोटो सेषन कर सोषल मिडीया पर प्रेमी द्वारा वायरल किये जाते परन्तु लडकी के परिजन ने पुलिस में कोई षिकायत नही की जबकी भाग जाने के बाद धारा 376 का मामला दर्ज करवाया।

सुमन राय से प्रेम कर जाने वाली लडकी के परिजन व मित्रजन इस तरह से लडकी के जीते जी श्रद्धांजलि कर रहे अर्पित।

इसी तरह एक स्कूली छात्रा की दोस्ती, परवलिया से खवासा अपने मामा के यहां आकर मोबाइल का काम करता था जिससे संपर्क में आकर दोनों ने भाग कर शादी कर ली। वही लड़की के पिता परिवार ने लड़की को जीते जी मृत मान उससे किसी प्रकार का संपर्क नहीं किया। ऐसी अनेकों घटना विद्यार्थी अपने कम उम्र में गलत कदम उठा कर अपने भविष्य को बर्बाद करने में लगे हैं।

लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला अय्याशी झोलाछाप का पुत्र निकला दस नंबरी

उपरोक्त घटित घटनाओं को देख-देखकर खवासा क्षेत्र के भामल में मंगलवार को जो भी कुछ देखने व सुनने को मिला जो हमारे समाज को कलंकित करने वाला ही कृत्य कहा जा सकता है।

फर्जी झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय जिसने कुछ दिन पहले ही अपने क्लीनिक पर आए जिला स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाई से बचने के लिए मोटी रकम देकर रवाना करने का मामला सुर्खियों में आया था। गौतम रॉय भामल में कुछ वर्षों से आकर रह रहा है। वहीं फर्जी रूप से ग्राम पंचायत में अपना निवासी नामांतरण करवाकर यहां का मूल निवासी बन लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहा है। बताया जाता है कि उक्त गौतम राय बांग्लादेशी है जो फर्जी इलाज के साथ ग्राम की माता-बहनों पर बुरी नजर रखता है। उक्त फर्जी झोलाछाप के बारे में बताने वाले बताते हैं कि, क्षेत्र के एक मंदिर पर पूजा करने वाला पुजारी की पत्नी से अपने नयन मिलाएं और महिला को अपने झांसे में लेने का प्रयास भी किया था, परंतु डॉक्टर अपने अनैतिक मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका, तो बढ़ते समय के साथ अपने पुत्र सुमन उर्फ तरुण को 12 वीं करवाने के साथ उसे भी किसी तरह से छोटी-बड़ी फर्जी डिग्री लेकर झोलाछाप डॉक्टर बनाने की जुगत में लगा था। वही बेटे ने ÷बाप नंबरी तो बेटा दस नंबरी÷ की कहावत को चरितार्थ करने में लगा था और गांव की ही एक सभ्य परिवार की लड़की स्कूली छात्रा को अपने मोहजाल में ऐसा फसाया कि, मंगलवार को सारी मर्यादा भंग कर दी। फर्जी डॉक्टर के पुत्र सुमन के जाल में फंसी छात्रा मंगलवार को सुमन के कहने पर उसके घर पहुंच गई और वहीं रहने की बात करने लगी। लेकिन अय्यास व फर्जी झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय यह भली-भांति जानता था कि, अगर सार्वजनिक रूप से उसके ही नक्शे कदम पर चलने वाले शराबी पुत्र सुमन का साथ दिया तो स्थानीय लोग उसे भी गांव निकाला दे देंगे। नतीजन षड्यंत्रकारी गौतम ने षड्यंत्र के साथ लड़की को अपनाने से मना करता रहा। वही सुमन के झांसे में आई नाबालिक लड़की सुनियोजित तरीके से लड़के का साथ देकर लोगों की भीड़ के सामने कहती रही कि, मैं रहूंगी तो सुमन के साथ ही। और यह समाज को कलंकित करने वाला फिल्मी ड्रामा 4 से 5 घंटे तक चलता रहा। वहीं शाम पड़ते ही गौतम राय ने षड्यंत्र के साथ पुत्र को कुछ पैसा देकर व धोक देने पर आर्षीवाद देने के साथ रवाना कर दिया। जिसके बाद समाज की मर्यादाओ को खुले रूप से सड़क पर तार-तार करने वाले सुमन व अपना भविष्य खराब करने वाली लड़की शाम की साढे 6 बजे बामनिया की ओर जाने वाली बस में बैठ चले गये और बामनीया से मेमो पकड़कर आगे रवाना हो गए।

वहीं पीड़ित लड़की के माता-पिता अपनी कुलकक्षिणी लड़की के संबंध में चौकी में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाकर लिखित में आवेदन दे दिया कि, मुझे उस लड़की से कोई लेना-देना नहीं है और नहीं हम किसी प्रकार की कार्रवाई चाहते हैं।

जीते जी दी जा रही श्रद्धांजलि

उक्त कृत्य को देखकर हर कोई सहमा हुआ है और अपने-अपने लड़के-लड़की के भविष्य के लिए चिंतन करने में लग गए हैं कि, कहीं इस तरह की देखा-देखी और कोई ना कर ले। इसलिए दबी जुबान में कहा जा रहा है कि, अय्याशी एवं झोलाछाप डॉक्टर को यहां से रवाना कर देना चाहिए।

वही लड़की के परिवार व इष्ट मित्रों के द्वारा लड़की के जीते जी उसे मृत मानकर सोशल मीडिया पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422